RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534
डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./ दुर्ग /94/2020-22

श्रीकंचनपथ

साझा करें अपने मित्रों से

सांध्य दैनिक
दुर्ग-रायपुर-बस्तर संभाग

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल

वर्ष- 13, अंक - 126 | श्रीकंचनपथ ONLINE | visit us http://www.shreekanchanpath.com | भिलाई, सोमवार 21 फरवरी 2022 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

किसान आंदोलनः मांगों पर सहमति के बाद कृषि मंत्री चौबे ने किसानों से आंदोलन समाप्त करने की अपील की

जारी रहेगा किसानों का आंदोलन, दिल्ली कूच की तैयारी

सरकार ने मानी 8 में से 6 मांगें, किसान नेता बोले- इसमें मुख्य मांगें तो शामिल ही नहीं, बताया छल

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में नई राजधानी प्रभावित किसानों के आंदोलन को लगभग 50 दिन हो गए। किसान अपनी मांगों पर अड़े हुए हैं। इधर सरकार का कहना है कि किसानों की 8 में से 6 मांगें मान ली गई हैं। आंदोलनकारियों इसे राज्य सरकार का किसानों के साथ छलावा बता रही है। उनका कहना कि भाजपा सरकार के समय ही इन मुद्दों का निर्णय हो चुका था। उनकी मुख्य मांग तो सहमति के बिंदुओं में शामिल ही नहीं है। इसलिए उनका आंदोलन जारी रहेगा। किसान दिल्ली कूच करने की योजना पर भी काम कर रहे हैं।

बता दें कि कृषि एवं जल संसाधन मंत्री रविन्द्र चौबे ने रविवार को दोपहर अपने निवास कार्यालय में वन मंत्री मोहम्मद अकबर के साथ मीडिया प्रतिनिधियों से चर्चा की। जानकारी दी कि मुख्यमंत्री भूपेश बघेल नई राजधानी परियोजना के प्रभावित किसानों की मांगों को लेकर संवेदनशील हैं। नई राजधानी परियोजना नवा रायपुर के प्रभावित किसानों की 8 मांगों में से 6 पर सहमति बन गई है। मांगों पर सहमति के बाद कृषि मंत्री चौबे ने किसानों से आंदोलन समाप्त करने की अपील की। इधर आंदोलनकारियों ने इसे किसानों के साथ छल बताया है। किसानों ने कहा कि उनका आंदोलन जारी रहेगा। रविवार को किसान संगठन ने 27 गांवों में बाइक रैली भी निकाली। बता दें कि तीन फरवरी को किसानों ने सीएम भूपेश बघेल से एयरपोर्ट पर मुलाकात भी की थी।

दिल्ली जाने की योजना बना रहे प्रभावित किसान

नई राजधानी प्रभावित किसान कल्याण समिति के नेतृत्वकर्ता रुपन लाल चंद्राकर ने कहा है कि यह सरकार भी किसानों के साथ छलावा कर रही है। नवा रायपुर के प्रभावित आंदोलनकारी किसानों की वास्तविक मांगों की पहले और वर्तमान सरकार ने अब तक उपेक्षा ही की है। अगर उन मांगों को पूरा कर दे तो हम आंदोलन वापस ले लेंगे। रुपन लाल चंद्राकर ने बताया कि भाजपा सरकार के समय हमने जो मांग रखी थी, उसको लेकर कई बार बैठकें हुई। उस दौरान भाजपा सरकार ने जिन मांगों पर सहमति दी थी वह केवल एक बिंदु है, जिसमें 6 मांगें शामिल है, उसी मांगों पर वर्तमान कांग्रेस सरकार ने भी सहमति दे रही है। इसका कोई मतलब नहीं है। तीन दौर की बैठकें हो चुकी है, लेकिन अभी तक सरकार ने ध्यान नहीं दिया है। जब तक पूरी मांगों पर सहमति नहीं बनती तब तक आंदोलन खत्म नहीं होगी। अब हम देश की राजधानी दिल्ली जाने की सोंच रहे हैं। किसान नेता राकेश टिकैत, कांग्रेस नेता राहुल गांधी, सोनिया गांधी सहित व भाजपा के राष्ट्रीय संगठन के नेताओं से बात करेंगे।

आवासीय पट्टा देने सहित कई मांगों पर सहमति

कृषि मंत्री चौबे ने बताया कि किसान प्रतिनिधियों से हुई सार्थक चर्चा के बाद नई राजधानी परियोजना क्षेत्र में जहां ग्रामीण बसाहट है, वहां आवासीय पट्टा दिए जाने, आडिट कंडिकाओं के निदान, प्राधिकरण की निविदा सेवाओं में 60 प्रतिशत कर्मचारी प्रभावित गांवों के लिए जाने की सहमति बनी है। इसी तरह विस्थापितों एवं भूमिहीनों को पूर्व बैठक में लिए गए निर्णय के अनुसार पट्टा दिए जाने, नई राजधानी परियोजना क्षेत्र अंतर्गत रोजगार एवं व्यवसाय के लिए निर्मित परिसंम्पत्ति जिसमें 7 दुकान, 4 हॉल, 12 गुमटी और 71 चबूतरा का आवंटन प्रभावित क्षेत्र के लोगों को लागत मूल्य पर लॉटरी के माध्यम से करने और 27 गांवों में जमीन की खरीदी-बिक्री के लिए अनापत्ति लेने से मुक्त किए जाने की सहमति बनी है।

खास-खबर

मौलाना कल्बे जवाद ने की अपील, बोले- जो दंगे-फसाद रोक सके, उसे दें वोट

लखनऊ (एजेंसी)। वरिष्ठ शिया धर्मगुरु और इमाम-ए-जुमा मौलाना कल्बे जवाद नकवी ने जनता से उस पार्टी को वोट देने की अपील की है जो दंगा-फसाद रोकने में सक्षम हो। सोशल मीडिया पर वायरल एक वीडियो में मौलाना जवाद ने नाम लिए बिना कहा कि मुसलमानों की सबसे बड़ी हमदर्द समझी जाने वाली पार्टी ने शिया कौम के एक शख्स को टिकट देने के बाद वापस लेकर कौम का अपमान किया है। रविवार को वायरल हुए वीडियो में मौलाना जवाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, उप मुख्यमंत्री डॉ. दिनेश शर्मा और कानून मंत्री ब्रजेश पाठक की तारीफ करते नजर आ रहे हैं। योगी सरकार की तारीफ करते हुए मौलाना जवाद ने कहा कि भाजपा सरकार ने शिया कौम की काफी मदद की है। ऐसे में हमें उन्हें वोट करना चाहिए, जिसने हमारी मदद की है।

जो हमें दुख दे रहे हैं, उनसे दूर रहने की जरूरत है। जो दंगा-फसाद रोक सके, हमें उसे वोट करना चाहिए। चौथे चरण में लखनऊ में 23 फरवरी को वोट डाले जाएंगे। ऐसे में उनका बयान महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

दंतेवाड़ा में पुलिस को बड़ी सफलता, पांच लाख रुपये का इनामी नक्सली मुठभेड़ में ढेर

श्रीकंचनपथ न्यूज

दंतेवाड़ा। छत्तीसगढ़ के दंतेवाड़ा जिले में पुलिस के साथ मुठभेड़ में पांच लाख रुपये का इनामी और कई हिंसक घटनाओं का आरोपी नक्सली मारा गया। दंतेवाड़ा के पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थ तिवारी ने बताया कि मुठभेड़ शनिवार और रविवार की दरमियानी रात अरनपुर थाना क्षेत्र के बरगम गांव के पास जंगल में उस समय हुई जब जिला रिजर्व गार्ड की एक टीम नक्सल विरोधी अभियान पर निकली थी। उन्होंने कहा कि आमना-सामना समाप्त होने के बाद, एक नक्सली का शव बरामद किया गया, उन्होंने कहा कि मृतक की पहचान अर्जुन उर्फ लखमा सोदी (34) के रूप में हुई है, जिसके सिर पर 5 लाख रुपये का इनाम था।

सोदी मिलिशिया कमांडर के रूप में सक्रिय था

सोदी माओवादियों की मलंगेर क्षेत्र समिति के प्रभारी मिलिशिया कमांडर के रूप में सक्रिय था। अधिकारी ने बताया कि वह हत्या, हत्या के प्रयास और अपहरण सहित हिंसा की 13 घटनाओं में शामिल था। उन्होंने बताया कि मौके से एक पिस्टल, पांच किलो का टिफिन बम, नक्सली वर्दी, बिजली के तार, तार काटने वाला, नक्सल साहित्य और कुछ कैंपिंग सामग्री भी बरामद हुई है।

विस्फोटक ले जा रहे चार नक्सल समर्थक गिरफ्तार

महाराष्ट्र की गढ़चिरौली पुलिस ने यहां नक्सलियों द्वारा विस्फोटक बनाने के लिए इस्तेमाल की जाने वाली सामग्री की आपूर्ति श्रृंखला का भंडाफोड़ किया है और उग्रवादियों के चार समर्थकों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी। पुलिस अधिकारी ने बताया कि इनपुट के आधार पर शनिवार को एक नक्सल विरोधी अभियान चलाया गया, जिसके दौरान दमरांचा पुलिस सीमा के तहत भांगरमपेठा गांव में ऐसी सामग्री ले जा रहे नक्सल समर्थकों के एक गिरोह को रोका गया।

बड़ा बैंक घोटालाः एबीजी के पूर्व चेयरमैन ऋषि अग्रवाल पहुंचे सीबीआई मुख्यालय, होगी पूछताछ

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश के सबसे बड़े बैंकिंग घोटाला मामले से जुड़ी एबीजी शिपयार्ड कंपनी के पूर्व चेयरमैन व एमडी ऋषि अग्रवाल सोमवार को दिल्ली स्थित सीबीआई मुख्यालय पहुंचे। उनसे घोटाले को लेकर पूछताछ की जाएगी। पिछले सप्ताह सीबीआई ने अग्रवाल से पूछताछ की थी। अग्रवाल अपने वकील विजय अग्रवाल की टीम के साथ सीबीआई मुख्यालय पहुंचे हैं। विजय अग्रवाल 2जी स्पेक्ट्रम मामलों, आईसीआईसीआई-वीडियोकॉन केस, यस बैंक राणा कपूर केस आदि मामलों में चर्चित वकील थे।

घोटाले को लेकर सियासत गर्मा गई है। कांग्रेस ने केंद्र सरकार पर 'लूटो व भागो नीति' अपनाने का आरोप लगाया था। हालांकि इसके बाद सीबीआई ने बयान जारी कर कहा था कि यह मामला यूपीए काल का है। कंपनी को दिया गया कर्ज 2013 में एनपीए बना था। एबीजी शिपयार्ड घोटाला करीब 23 हजार करोड़ का बताया जा रहा है। यह देश का अब तक का सबसे बड़ा घोटाला माना जा रहा है। पानी के जहाज बनाने वाली कंपनी एबीजी शिपयार्ड ने 28 बैंकों को चूना लगाकर 22,842 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी की। यह घोटाला विजय माल्या के 9 हजार करोड़ और नीरव मोदी 14 हजार करोड़ से भी काफी ज्यादा है।

आतंकवाद का मददगार बना रहेगा पाक या निकलेगा ग्रे लिस्ट से बाहर? सभी की नजरें बैठक पर टिकीं

पेरिस (एजेंसी)। आतंकवाद के वित्त पोषण और उससे जुड़े मुद्रा शोधन मामलों पर निगरानी व कार्यवाही करने वाले वैश्विक संगठन एफएटीएफ की सोमवार से पेरिस में बैठक शुरू हो रही है। सभी की निगाहें इस बात पर लगी हैं कि इस बैठक में पाकिस्तान संगठन की 'ग्रे' सूची में बना रहेगा या बाहर निकल सकेगा।

पेरिस में 'फाइनेंशियल एक्शन टास्कफोर्स' (एफएटीएफ) की साधारण सभा और वर्किंग ग्रुप की बैठक आज से होगी। पाकिस्तान को इस बैठक से बड़ी उम्मीद है। वह इस आतंकवाद विरोधी वैश्विक संगठन की 'ग्रे लिस्ट' से बाहर निकलने के लिए छटपटा रहा है। उसकी उम्मीद पूरी होगी या उस पर फिर पानी फिर जाएगा, यह कुछ घंटों में साफ हो जाएगा।

आतंकवाद के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई नहीं करने, आतंकी संगठनों के वित्त पोषण और मनी लांड्रिंग रोधी कानूनों का पालन नहीं करने के कारण पाकिस्तान पेरिस स्थित एफएटीएफ की ग्रे सूची में 2018 से है। लगातार ग्रे सूची में रहने के कारण पाकिस्तान को आयात-निर्यात, विदेशों से धन की आमद और अंतरराष्ट्रीय वित्त संस्थाओं से सीमित कर्ज जैसी कई चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है।

बजरंग दल के कार्यकर्ता की चाकू मारकर हत्या फेसबुक पर हिजाब के विरोध में लिखी थी पोस्ट

शिवमोगा (एजेंसी)। हिजाब विवाद के बीच कर्नाटक के शिवमोगा में बजरंग दल के कार्यकर्ता की चाकू मारकर हत्या कर दी गई। पुलिस इस मामले को हिजाब विवाद से जोड़कर देख रही है। हालांकि, पुलिस सीधे तौर पर कुछ भी कहने से बच रही है। घटना के बाद से पूरे इलाके में तनाव बढ़ गया है, जिसके चलते पुलिस और भी ज्यादा सक्रिय हो गई है। अधिकारियों के मुताबिक, यह घटना रविवार रात करीब नौ बजे की है। वहीं 26 वर्षीय बजरंग दल कार्यकर्ता की पहचान हर्षा के रूप में हुई है। पुलिस ने बताया

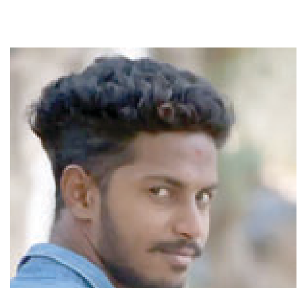

कि, हर्षा ने अपने फेसबुक प्रोफाइल पर हिजाब के खिलाफ पोस्ट लिखी थी। उन्होंने भगवा शॉल का समर्थन किया था।

बजरंग दल कार्यकर्ता की हत्या के बाद शिवमोगा में तनाव बढ़ गया है। कई कार्यकर्ता हत्या के बाद अस्पताल पहुंच गए और घटना का विरोध जताने लगी। तनाव बढ़ता देख पूरे शिवमोगा में धारा 144 लागू कर दी गई है। वहीं स्कूल व कॉलेजों को भी बंद कर दिया गया है। इस बीच कर्नाटक के गृहमंत्री अरागा ज्ञानेंद्र ने मृतक के परिजनों से मुलाकात की। मीडिया से बात करते हुए उन्होंने कहा कि बजरंग दल कार्यकर्ता की हत्या के पीछे चार से पांच युवकों के समूह के होने की बात आई है। उन्होंने कहा कि, ये लोग किसी संगठन से थे या नहीं, इसकी जानकारी अभी तक नहीं हो पाई है। आगे कहा कि, कानून-व्यवस्था नियंत्रित करने के लिए एहतियात के तौर पर शिवगोमा में स्कूल व कॉलेजों को दो दिनों के लिए बंद कर दिया गया है।

बजरंग दल है सबसे ज्यादा सक्रिय

कर्नाटक में हिजाब विवाद के बीच सबसे ज्यादा सक्रिय बजरंग दल ही है। इसके अलावा कई हिंदू संगठन कर्नाटक के स्कूल-कॉलेजों में हिजाब पहनने का विरोध कर रहे हैं। ये कार्यकर्ता हिजाब के विरोध में भगवा शॉल पहनकर अपना विरोध जता रहे हैं।

छत्तीसगढ़ में कोरोना के 205 नए मरीज मिले पॉजिटिविटी दर 2 प्रतिशत से नीचे, एक्टिव केस भी कम

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ में कोरोना की तीसरी लहर का संक्रमण बहुत तेजी कम हो रहा है। पॉजिटिविटी दर भी 2 प्रतिशत से नीचे है। रविवार को प्रदेश में 205 नए केस मिले हैं। राहत की बात यह रही कि पिछले 24 घंटे में कोरोना से किसी की जान नहीं गई। राज्य में सक्रिय मरीजों की संख्या घटकर 4 हजार से कम हो गई है। छत्तीसगढ़ में इस महामारी से अब तक 14 हजार 21 लोगों की जान भी जा चुकी है। संक्रमण घटते ही प्रदेश में अनलॉक की प्रक्रिया भी शुरू हो गई है। रायपुर, दुर्ग, बिलासपुर सहित कई जिलों में स्कूल खुल गए हैं।

स्वास्थ्य विभाग के राज्य कंट्रोल एंड कमांड सेंटर से मिली जानकारी के मुताबिक रविवार को प्रदेश में 205 नए केस मिले हैं, जिसमें सबसे ज्यादा धमतरी में 25 नए संक्रमित मिले हैं। इसके बाद दुर्ग में 22, रायपुर में 21, रायगढ़ में 17, बिलासपुर, जशपुर व सरगुजा में 14-14, बलरामपुर में 13, कोंडागांव में 11, सूरजपुर में 10, गौरेला-पेंड्रा व कोरिया में 7-7, कोरबा व कांकेर में 6-7 नए केस मिले हैं। प्रोदेश के 4 जिलों में कोई मरीज नहीं मिले। वहीं 15 जिलों में 1 से 10 के बीच मरीज मिले हैं। बड़ी संख्या

में मरीजों के स्वस्थ होने से प्रदेश में सक्रिय मरीजों की संख्या घटकर 3,404 हो गई है।

प्रदेश में तेजी कम हो रहे मरीज

रविवार को 14 हजार 429 सैंपलों की जांच की गई, जिसमें यह मरीज मिले हैं। प्रदेश में पॉजिटिविटी दर 1.42 प्रतिशत हो गई है। तीसरी लहर में रविवार को 24 घंटे में किसी की मौत कोरोना से नहीं हुई है। हॉस्पिटल से 17 लोग डिस्चार्ज हुए तो वहीं 323 लोगों ने होम आइसोलेशन पूरा किया है। राज्य नोडल अधिकारी डॉ. सुभाष मिश्रा ने बताया कि प्रदेश में एक्टिव मरीजों की संख्या में तेजी से कमी हो रही है। पॉजिटिविटी दर भी कम हो गई है।

कोरोना से बड़ी राहतः बीते 24 घंटों में 16 हजार नए मामले, 206 लोगों की मौत, सक्रिय मरीज भी घटकर 2 लाख हुए

देश में आज कोरोना महामारी से बड़ी राहत की खबर सामने आई है। दरअसल, आज नए मामले कम आने के साथ-साथ मृतकों की संख्या में भी भारी कमी आई है। स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा जारी सोमवार के आंकड़े के अनुसार बीते 24 घंटों में कोरोना के 16,051 मामले सामने आए हैं। इस दौरान 206 लोगों की मौत हुई जो कि कल की तुलना में 400 कम है। बता दें कि रविवार के आंकड़े के अनुसार बीते 24 घंटों में कोरोना से 673 लोगों की मौत हो गई थी। स्वास्थ्य मंत्रालय के आंकड़े के अनुसार देश में अब 2.02 लाख (2,02,131) सक्रिय मामले बचे हैं। वहीं महामारी की शुरुआत से अब तक स्वस्थ होने वाले कुल मरीजों की संख्या 4.21 करोड़ (4,21,24,284) हो गई है। रोजाना संक्रमण दर की बात करें तो यह 1.93 फीसदी हो गई है।

जंग टालने के लिए बाइडन-पुतिन कर सकते हैं शिखर बैठक, बनी सशर्त 'सैद्धांतिक सहमति'

वॉशिंगटन (एजेंसी)। रूस के राष्ट्रपति ब्लादिमीर पुतिन द्वारा यूक्रेन पर हमले का आदेश देने के अमेरिकी खुफिया एजेंसियों के दावे के बीच जंग टालने के प्रयास नए सिरे से तेज हो गए हैं। राष्ट्रपति जो बाइडन ने फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों से फोन पर बात की। इसके बाद मैक्रों के दफ्तर ने कहा कि राष्ट्रपति पुतिन और राष्ट्रपति बाइडन के बीच यूक्रेन संकट को लेकर शिखर बैठक आयोजित करने पर सशर्त 'सैद्धांतिक सहमति' बन गई है।

सोमवार अल सुबह फ्रांस के राष्ट्रपति मैक्रों के कार्यालय ने एक बयान जारी कर यह बात कही। बयान में यह बात कही गई है कि शिखर बैठक तभी होगी जब रूस पड़ोसी देश यूक्रेन पर हमला नहीं करेगा। बयान में कहा गया है कि मैक्रों ने दोनों नेताओं को यूरोप में सुरक्षा और रणनीतिक स्थिरता पर एक शिखर सम्मेलन करने का प्रस्ताव दिया था। राष्ट्रपति बाइडन और पुतिन दोनों ने इसे सैद्धांतिक रूप से स्वीकार कर लिया है। बयान में कहा गया है कि अगर रूस ने यूक्रेन पर हमला किया तो ऐसी बैठक असंभव होगी क्योंकि पश्चिमी देशों को डर है कि रूस हमले की योजना बना रहा है। हालांकि फ्रांस के राष्ट्रपति कार्यालय के इस बयान पर अभी व्हाइट हाउस से कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली है।

इससे पहले बाइडन व मैक्रों के बीच रविवार को हुई बातचीत में यूक्रेन सीमा के निकट रूसी सेना का जमावड़ा और बढ़ने और टकराव टालने के लिए जारी कूटनीतिक प्रयासों पर मंथन हुआ।चर्चा के बाद व्हाइट हाउस ने बयान जारी कर यह जानकारी दी।

संपादकीय

वैक्सीन का असर

पिछले तकरीबन दो साल में जिस शब्द ने दुनिया को सबसे ज्यादा उलझाए रखा, वह है वैक्सीन। सरकारों ने इसे हासिल करने के लिए एड़ी-चोटी का जोर लगाया, दुनिया के कोने-कोने में इसकी आपूर्ति के लिए बनी व्यवस्थाओं ने दिन-रात एक कर दिया, अपना जीवन जोखिम में डालकर चिकित्साकर्मी वैक्सीनेशन के काम में जुटे और लोगों ने इसे लगवाने के लिए लंबी-लंबी लाइनें लगाईं। यहां पर हमने इन वैक्सीन की सबसे महत्वपूर्ण कड़ी वैज्ञानिकों को छोड़ दिया है, क्योंकि बाकी ने तो अपने काम को अंजाम तक पहुंचाकर चैन की सांस ले ली है, पर वैज्ञानिकों को यह मौका अभी भी नहीं मिला। वे वैज्ञानिक ही हैं, जो इस काम में सबसे पहले जुटे थे और वे वैज्ञानिक ही हैं, जो अभी तक इसमें जुटे हैं। वे वैज्ञानिक ही थे, जिन्होंने अपनी सक्रियता से सबसे पहली उम्मीद की किरण दिखाई थी, और वे वैज्ञानिक ही हैं, जिनकी सक्रियता तब तक जारी रहने वाली है, जब तक हम पूरी तरह आश्वस्त नहीं हो जाते। दुनिया में वैक्सीन और उसके प्रभावों को लेकर जितना काम पिछले दो साल में हुआ है, उतना शायद पहले कभी नहीं हुआ। इसीलिए पिछले कुछ दिनों में ऐसे कई शोध सामने आए हैं, जो महामारी को लेकर प्राकृतिक प्रतिरोधक क्षमता और वैक्सीन की प्रतिरोधक क्षमता के बारे में हमारी कई शंकाओं का निवारण करते हैं।

> "इस शोध के लिए 83 हजार से ज्यादा मरीजों का अध्ययन किया गया। इन शोध से हम यह भी समझ सकते हैं कि कोविड की तीसरी लहर भारत और बाकी दुनिया में इतनी आसानी से कैसे निपट गई। ये अध्ययन उस समय आए हैं, जब विश्व स्वास्थ्य संगठन लगातार चेतावनी दे रहा है कि अभी कोविड की पाबंदियों में बहुत ज्यादा ढील देने का वक्त नहीं आया है। मास्क, सामाजिक दूरी और टीकाकरण के मामले में तो सतर्कता अभी भी बहुत जरूरी है।

यह सवाल काफी समय से खड़ा किया जा रहा है कि वैक्सीन ज्यादा प्रभावी है या हर्ड इम्युनिटी। परंपरागत सोच कहती है कि प्राकृतिक प्रतिरोधक क्षमता का विकसित होना वैक्सीन के मुकाबले ज्यादा महत्वपूर्ण है। इसलिए जिस किसी को भी कोविड हुआ, डॉक्टर उसके कुछ समय बाद तक वैक्सीन न लगवाने की सलाह देते रहे। सोच यह थी कि ऐसी स्थिति में वैक्सीन की तुरंत जरूरत नहीं है। पर जो नए शोध सामने आ रहे हैं, वे कुछ और कहानी कहते हैं। वाशिंगटन यूनीवर्सिटी स्कूल ऑफ मेडिसिन का शोध बताता है कि यदि आपके पास प्राकृतिक प्रतिरोधक क्षमता है, तब भी आपको वैक्सीन की जरूरत है। शोध में पाया गया है कि बड़े पैमाने पर एंटीबॉडी बनाने के लिए शरीर को काफी ऊर्जा की जरूरत होती है। यह काम शरीर लंबे समय तक नहीं कर सकता, इसलिए वह जल्द उनकी संख्या कम कर देता है। इसलिए जरूरी है कि बाहर से एंटीबॉडी ली जाएं, और यह काम वैक्सीन ही कर सकती है। दूसरी तरफ स्टैनफोर्ड मेडिसिन के वैज्ञानिकों ने पाया है कि कोविड का टीका लगवाने के कारण शरीर की वे लसिका ग्रंथियां काफी सक्रिय हो जाती हैं, जो एंटीबॉडी के निर्माण में सहायक होती हैं। जबकि तेल अवीव विश्वविद्यालय का एक अध्ययन बता रहा है कि जिन लोगों ने वैक्सीन लगवाई, उनमें दोबारा कोविड होने की आशंका 0.4 फीसदी पाई गई, जबकि जिन्होंने नहीं लगवाई, उनमें यह आशंका 3.3 फीसदी मिली। इस शोध के लिए 83 हजार से ज्यादा मरीजों का अध्ययन किया गया। इन शोध से हम यह भी समझ सकते हैं कि कोविड की तीसरी लहर भारत और बाकी दुनिया में इतनी आसानी से कैसे निपट गई। ये अध्ययन उस समय आए हैं, जब विश्व स्वास्थ्य संगठन लगातार चेतावनी दे रहा है कि अभी कोविड की पाबंदियों में बहुत ज्यादा ढील देने का वक्त नहीं आया है। मास्क, सामाजिक दूरी और टीकाकरण के मामले में तो सतर्कता अभी भी बहुत जरूरी है।

> "कहीं ऐसा न हो कि पेटीएम की तरह एलआईसी का भाव भी कुछ ऐसा हो कि बाजार में उत्साह बढ़ाने की जगह उस पर पानी फिर जाए। इसलिए इस बात का दारोमदार बहुत हद तक इस पर है कि सरकार एलआईसी के शेयर किस भाव पर बेचने को तैयार होती है। अगर दाम ऊंचा रखा गया, तो फिर यह न सिर्फएलआईसी के लिए, बल्कि बाजार के लिए भी बुरी खबर साबित हो सकती है। वैसे पूरी संभावना है कि एलआईसी के आईपीओ के साथ बाजार में तेजी की एक नई लहर दौड़ सकती है। करोड़ों नए डीमैट अकाउंट खुलेंगे और बाजार में बड़ी संख्या में नए निवेशक आएंगे।

आलोक जोशी, वरिष्ठ पत्रकार

योगक्षेमं वहाम्यहम् की परख

योगक्षेमं वहाम्यहम् यह जीवन बीमा निगम का सूत्र वाक्य है। आज भी एलआईसी के 'लोगो' के नीचे आप गीता के एक श्लोक का यह हिस्सा लिखा हुआ पा सकते हैं। कृष्ण ने अर्जुन को जो उपदेश दिया, उसके नौवें अध्याय में से यह छोटा सा हिस्सा जिसने भी जीवन बीमा निगम के लिए चुना, उसकी तारीफ करनी चाहिए। इसका अर्थ है कि मैं आपकी पूरी कुशलता का बोझ धारण करूंगा, यानी आपकी पूरी चिंता का बोझ मैं उठा लूंगा। जो आपके पास है, उसकी रक्षा करूंगा और जो नहीं है, वह आपको दिलवाऊंगा। जीवन बीमा का काम इसके अलावा और क्या है?

1956 में देश में बीमा कारोबार का राष्ट्रीयकरण हुआ और जीवन बीमा का पूरा कारोबार समेटकर एलआईसी के हवाले कर दिया गया। तभी से भारत में जीवन बीमा का मतलब एलआईसी ही होता रहा है। बहुत से लोग बोलचाल में कहते भी हैं, एलआईसी करवा लिया, मतलब बीमा करवा लिया। लेकिन इस वक्त एलआईसी का मतलब शेयर बाजार व सरकार के लिए कुछ और ही है और शेयर बाजार से जुड़े या जुड़ने की इच्छा रखने वाले लोगों के लिए भी। फिर भले ही नए निवेशक हों या वर्षों से शेयर बाजार में जमे पुराने खिलाड़ी। सब देश की सबसे बड़ी बीमा कंपनी एलआईसी, यानी भारतीय जीवन बीमा निगम के आईपीओ के इंतजार में हैं।

एलआईसी देश की सबसे बड़ी बीमा कंपनी होने के साथ ही, देश के सबसे बड़े जमींदारों में से एक है। देश के हर बड़े-छोटे शहर में इसके पास संपत्ति है। पैसा भी इतना है कि यह शेयर बाजार को चढ़ाने और गिराने का दम रखती है। जेफरीज ने कुछ समय पहले एक शोध पत्र निकाला था, जिसके हिसाब से लिस्टिंग के बाद एलआईसी की कुल हैसियत 261 अरब डॉलर के करीब हो सकती है। सरकार कह चुकी है कि वह इसका पांच से दस प्रतिशत हिस्सा बेचने के लिए आईपीओ ला सकती है। दस प्रतिशत भी बिका, तो वह 26 अरब डॉलर, यानी करीब 1.92 लाख करोड़ रुपये का इशू होगा। हालांकि, यह बात साफ है कि सरकार एक बार में एलआईसी का पांच प्रतिशत से ज्यादा हिस्सा नहीं बेच पाएगी। पांच प्रतिशत का मतलब है कि सरकार एलआईसी के 31.72 करोड़ तक शेयर बाजार में बेचने के लिए उतारेगी। इन शेयरों का भाव क्या रखा जाता है, इससे तय होगा कि सरकार को इससे कितना पैसा मिलेगा। लेकिन अनुमान है कि यह रकम पचास हजार करोड़ से एक लाख करोड़ रुपये तक हो सकती है।

यह भारत के शेयर बाजार के इतिहास का सबसे बड़ा आईपीओ होगा। सरकार के लिए यह आईपीओ या एलआईसी का विनिवेश बहुत जरूरी भी है, क्योंकि उसने सरकारी कंपनियों में हिस्सेदारी बेचकर पौने दो लाख करोड़ रुपये जुटाने का लक्ष्य रखा है। इस साल का लक्ष्य 78 हजार करोड़ रुपये बचा हुआ है, और सिर्फ एलआईसी की पांच प्रतिशत हिस्सेदारी उसका यह लक्ष्य पार करवा सकती है।

यहां यह ध्यान रखना जरूरी है कि एलआईसी कोई नए शेयर जारी नहीं कर रही है। सरकार इसमें अपनी हिस्सेदारी यानी अपने हिस्से के शेयरों में से ही कुछ भाग बेच रही है। इससे एलआईसी की सेहत पर कोई फर्क नहीं पड़ेगा। यह पूरी रकम सरकार के खजाने में जाएगी। एलआईसी को इसमें से एक पैसा नहीं मिलनेवाला है। उसको पैसे की जरूरत है भी नहीं। देश के जीवन बीमा कारोबार की दो तिहाई हिस्सेदारी है उसके पास। 2020 में उसके पास प्रीमियम के रास्ते 5,640 करोड़ डॉलर की रकम आई थी, और इस पैमाने पर वह दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी जीवन बीमा कंपनी है। 2021 में उसे मिला प्रीमियम 4032.9 अरब रुपये है। आईपीओ के बाद कंपनी की सेहत पर यह फर्क जरूर पड़ेगा कि अभी तक वह सिर्फ सरकार के प्रति जवाबदेह थी, जबकि इसके बाद उसे हर तीन महीने पर अपने शेयरहोल्डरों को हिसाब देना पड़ेगा, मतलब प्रबंधन को पारदर्शी बनाना पड़ेगा। उम्मीद है, लिस्टिंग के साथ ही एलआईसी मॉर्गन स्टैनली के एमएससीआई इंडेक्स में शामिल हो सकती है, यानी विदेशी निवेशकों के लिए यह एक आकर्षक शेयर होगा।

विदेशी निवेशकों को कंपनी की तरफ आकृष्ट करने के लिए कानूनी बदलाव की भी जरूरत है। आईपीओ में पांच प्रतिशत हिस्सा एलआईसी के कर्मचारियों के लिए अलग रखा जा सकता है। खबर है कि पहली बार एलआईसी अपने बीमाधारकों के लिए भी एक अलग कोटा रखने की तैयारी कर रही है। एलआईसी के पास करीब 29 करोड़ बीमाधारक हैं और पिछले काफी समय से एलआईसी एजेंट उन्हें समझा रहे हैं कि कैसे अपनी पॉलिसी को आधार से लिंक करवाना है और कैसे डीमैट अकाउंट खोलकर आईपीओ के पहले ही तैयारी पूरी कर लेनी है। अगर इनमें से आधे या चौथाई लोग भी शेयर के लिए अर्जी लगा देते हैं, तो एक बड़ी बिरादरी बन जाएगी। पूरी उम्मीद है कि आईपीओ में जो भी भाव तय होगा, इन दोनों वर्ग के लोगों को कुछ रियायत भी दी जाएगी। बीमाधारकों को कोटा मिलने का मतलब यह कतई नहीं है कि उन्हें मुफ्त में शेयर मिलनेवाले हैं।

यह देश का सबसे बड़ा आईपीओ है, इसलिए इसके साथ बहुत-सी आशंकाएं भी खड़ी हो रही हैं। सबसे बड़ा सवाल तो यही है कि क्या बाजार का माहौल इस वक्त एक साथ इतनी बड़ी रकम जुटाने के लिए ठीक है। कहीं ऐसा न हो कि पेटीएम की तरह एलआईसी का भाव भी कुछ ऐसा हो कि बाजार में उत्साह बढ़ाने की जगह उस पर पानी फिर जाए। इसलिए इस बात का दारोमदार बहुत हद तक इस पर है कि सरकार एलआईसी के शेयर किस भाव पर बेचने को तैयार होती है। अगर दाम ऊंचा रखा गया, तो फिर यह न सिर्फ एलआईसी के लिए, बल्कि बाजार के लिए भी बुरी खबर साबित हो सकती है। वैसे पूरी संभावना है कि एलआईसी के आईपीओ के साथ बाजार में तेजी की एक नई लहर दौड़ सकती है। करोड़ों नए डीमैट अकाउंट खुलेंगे और बाजार में बड़ी संख्या में नए निवेशक आएंगे।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

एम वेंकैया नायडु उप-राष्ट्रपति, भारत

हमारी बहुभाषाई शिक्षा में टेक्नोलॉजी की भूमिका

मातृभाषा से ही किसी व्यक्ति या समुदाय की सांस्कृतिक पहचान बनती है। हमारी सदियों पुरानी भाषाई और सांस्कृतिक विविधता के कारण विश्व में भारत की एक प्रतिष्ठा रही है। विविधता ही हमारी सनातन संस्कृति की पहचान है। मातृभाषा ही हमारी आशाओं, अनुभवों, आदर्शों, मान्यताओं और मर्यादाओं को अभिव्यक्ति देती है, मातृभाषा ही हमारी साहित्यिक, कलात्मक अभिव्यक्ति का माध्यम होती है।

भाषा सांस्कृतिक निरंतरता का वह सूत्र है, जो वर्तमान को अतीत से बांधता है। वैश्वीकरण और पाश्चात्यीकरण से सिर्फ आर्थिक प्रगति ही प्रभावित नहीं हुई है, बल्कि भाषाई और सांस्कृतिक विविधता पर भी प्रभाव पड़ा है, इसीलिए अंतरराष्ट्रीय मातृभाषा दिवस का भारतीय संदर्भों में विशेष महत्व है। नवंबर 1999 में यूनेस्को ने हर साल 21 फरवरी को अंतरराष्ट्रीय मातृभाषा दिवस के रूप में मनाने का फैसला किया। उद्देश्य था लुप्त हो रही भाषाओं को संरक्षित करना। संयुक्त राष्ट्र के अनुसार, विश्व में बोली जाने वाली लगभग 6,000 भाषाओं में से 43 प्रतिशत भाषाएं लुप्तप्राय हैं।

इस वर्ष 2022 में अंतरराष्ट्रीय मातृभाषा दिवस का विषय है, बहुभाषी शिक्षा में टेक्नोलॉजी का प्रयोग : चुनौतियां और अवसर। हमारे जैसे भाषाई विविधता वाले देश के लिए तो यह विशेष प्रासंगिक है। एक अच्छी और समावेशी शिक्षा प्रणाली के लिए टेक्नोलॉजी आवश्यक भी है। यूनेस्को की महानिदेशक ऑड्रे एजोले ने अपने संदेश में कहा भी है कि भाषाई विविधता को संरक्षित रखने में टेक्नोलॉजी की भूमिका है। ऐसी बोलियां, जिनकी सिर्फ मौखिक परंपरा रही है, उनको संरक्षित रखने में टेक्नोलॉजी सहायक हो सकती है।

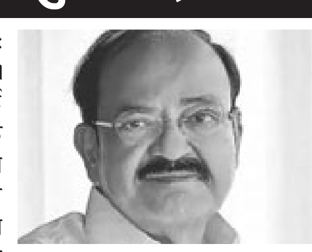

नई शिक्षा नीति दूरदर्शी है, जो कम से कम कक्षा 5 तक शिक्षा का माध्यम मातृभाषा में रखने की वकालत करती है। वैसे मातृभाषा में शिक्षा तो कक्षा 8 तक या उससे भी आगे दी जानी चाहिए। नई शिक्षा नीति में जीवन मूल्यों, नैतिक शिक्षा और समावेशी शिक्षा पर विशेष बल दिया गया है। मातृभाषा के माध्यम में शिक्षा न केवल उसे समावेशी बनाएगी, बल्कि विषय को छात्रों के लिए सरल, सुग्राह्य भी बनाएगी। यह भी जरूरी है कि वैज्ञानिक और तकनीकी शब्दों की भारतीय भाषाओं में भी सरल शब्दावली तैयार की जाए। नोबेल पुरस्कार से सम्मानित, देश के प्रख्यात भौतिकशास्त्री सी वी रमन ने तो विज्ञान की शिक्षा मातृभाषाओं में दिए जाने की वकालत भी की थी, अन्यथा विज्ञान महज एक वर्ग विशेष तक सीमित रह जाएगा, जिसमें जनसाधारण की भागीदारी नहीं हो सकेगी। सी वी रमन की आशंका साकार होती प्रतीत हो रही है। हमने बड़ी संख्या में कॉलेज तो स्थापित किए हैं, जिनमें अंग्रेजी माध्यम में चिकित्सा और इंजीनियरिंग शिक्षा दी जा रही है, लेकिन उच्च शिक्षा का यह तंत्र हमारे देश के युवाओं के बड़े भाग की पहुंच के बाहर है। इसलिए जरूरी है कि विविध भाषाओं में उच्चतर शिक्षा के अवसर उपलब्ध कराए जाएं। 2020 में एक सर्वे में 44 प्रतिशत विद्यार्थियों ने अपनी मातृभाषा में ही इंजीनियरिंग शिक्षा लेने का समर्थन किया था।

इसी क्रम में आईआईटी, मद्रास तथा एआईसीटीई के बीच सहयोग से 'स्वयं' के पाठ्यक्रमों का अनुवाद आठ भारतीय भाषाओं, हिंदी, तमिल, तेलुगु, कन्नड़, बंगाली, मराठी, मलयालम तथा गुजराती में किया जा रहा है। ऐसे ही तकनीक आधारित प्रयासों से उच्च शिक्षा लोकतांत्रिक बन सकेगी। इसी प्रकार एआईसीटीई द्वारा बी टेक शिक्षा को ग्यारह भारतीय भाषाओं में पढ़ाए जाने की स्वीकृति दिया जाना, ऐतिहासिक कदम है और नई शिक्षा नीति के उद्देश्यों के अनुरूप है। हमें हर भाषा को पूरा सम्मान देना ही चाहिए, लेकिन साथ ही इस खेदजनक तथ्य को भी नजरंदाज नहीं किया जा सकता कि कुछ शिक्षक और अभिभावक भारतीय भाषाओं में शिक्षा से अधिक अंग्रेजी शिक्षा को प्राथमिकता देते हैं। परिणामत: बच्चे अपनी मातृभाषा को पूरी तरह अंगीकार नहीं कर पाते हैं और अपनी सामाजिक-सांस्कृतिक जड़ों से कट जाते हैं।

भाषाई जनगणना के अनुसार, भारत की 19,500 बोलियों और भाषाओं में से 121 ऐसी हैं, जो अब 10,000 या उससे कम लोगों द्वारा बोली जाती हैं। यह हमारा दायित्व है कि हम उन 196 भारतीय भाषाओं को संरक्षित रखें, जो लुप्त होने के कगार पर हैं।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

श्रीमती अंजली जैन की कलम से...

नन्हा छोटा दिल
मेरा दीप है, मिटा
देता है अंधियारें
को, छांव देता है
जख्मों को।

-अंजली जैन
7024460938

स्टेशन रोड, इंदिरा मार्केट, दुर्ग के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करे
9827806026, 7869620239

श्रीकंचनपथ

छत्तीसगढ़

खास खबर

समाजवादी पार्टी के 15 कार्यकर्ताओं ने किया कांग्रेस प्रवेश

महासमुंद। संसदीय सचिव व पर्यवेक्षक विनोद सेवनलाल चंद्राकर के समक्ष उत्तरप्रदेश के जैदपुर विधानसभा के सिद्धौर ब्लाक के ग्राम पंचायत मोहम्मदपुर चदीसिंग में 15 सपा के कार्यकर्ता ने कांग्रेस प्रवेश किया। इस दौरान पर्यवेक्षक चंद्राकर ने पार्टी प्रत्याशी तनुज पुनिया को जिताना का आव्हान किया। पर्यवेक्षक विनोद सेवनलाल चंद्राकर ने ग्राम पंचायत मोहम्मदपुर चदीसिंग, सैदाबाद, चक, सिंकदरपुर आदि ग्राम पंचायतों में सघन जनसंपर्क किया। इस दौरान समाजवादी पार्टी के बिंद्रा प्रसाद वर्मा, राम किशोर रावत, राजेश कुमार वर्मा, पवन कुमार वर्मा, गुरु चरण वर्मा, सद्गुरु वर्मा, संतराम वर्मा, शिव कुमार वर्मा, अनूप कुमार वर्मा, अवधेश कुमार वर्मा, छत्रपति वर्मा, बाबादीन रावत, राम लखन वर्मा, देवकीनंद वर्मा, रामाधार वर्मा कांग्रेस प्रवेश किया। संसदीय सचिव चंद्राकर ने सभी का गमछा पहनाकर पार्टी में स्वागत किया। बाद इसके बूथ कमेटी के अध्यक्षगणों की बैठक लेकर प्रतिज्ञा पत्र में की गई घोषणाओं की जानकारी दी।

स्वच्छ और सुंदर-हर घर से जल विषय पर पेंटिंग प्रतियोगिता का हुआ आयोजन

बलौदाबाजार। लोक स्वास्थ्य यांत्रिक विभाग द्वारा जल जीवन मिशन अभियान के अंतर्गत जिला मुख्यालय स्थित गुरुकुल इंग्लिश मीडियम हायर सेकंडरी स्कूल में स्वच्छ और सुंदर हर घर से जल चित्रकारी/स्लोगन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमे वहां के बच्चों के द्वारा बढ़ चढ़ के हिस्सा लिया गया। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकीय विभाग के द्वारा बच्चों के हुनर को देखते हुए उनको प्रथम द्वितीय तृतीय स्थान के बच्चों को प्रशस्ति पत्र और सील्ड से पुस्कृत भी किया गया। जिसमे चित्रकारी के लिए कक्षा 7वी की डिम्पल पैकरा को प्रथम स्थान, 7वी की अंचल साहू को द्वितीय, 8वी की ओजस्वी वर्मा को तृतीय स्थान दिया गया।

राजीव युवा मितान क्लब युवाओं को सशक्त बनाने का माध्यमः उमेश पटेल

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। प्रदेश के उच्च शिक्षा, खेल एवं युवा कल्याण मंत्री श्री उमेश पटेल ने आज राजिम माघी पुन्नी मेला के कार्यक्रम में शामिल हुए। उन्होंने यहां राष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ियों को सम्मानित किया और हितग्राहियों को स्व-रोजगार के लिए ऋण का वितरण किया। उच्च शिक्षा मंत्री ने कहा कि राजिम मेला की भव्यता अब देखते ही बन रही है। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने छत्तीसगढ़ की संस्कृति को बढ़ाने का काम किया है। त्यौहारों में छुट्टी के अलावा तीज त्यौहार की परंपरा को उच्च शिखर पर स्थान दिलाया है। उन्होंने सर्वप्रथम कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्जवलित के साथ किया।

उच्च शिक्षा मंत्री ने राजीव युवा मितान कला पर फोकस करते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार ने इसके लिए बजट में 50 करोड़ रूपये का प्रावधान किया है। प्रत्येक कला को प्रत्येक 3 माह में 25 हजार रूपये के मान से एक साल में रचनात्मक गतिविधियों के संचालन के लिए 1 लाख रूपये दिये जायेंगे। उन्होंने आगे कहा कि स्कूल और कॉलेजों में फाईनेंसियल साक्षरता का एक सब्जेक्ट होना चाहिए। मंत्री ने कहा कि युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराने के लिए छत्तीसगढ़ सरकार ने रोजगार मिशन की स्थापना की है। उन्होंने युवाओं से कहा कि आपको कड़ी मेहनत को निरंतर बनाए रखें, जिससे आपको कई अच्छी-अच्छी नौकरियां मिलेंगी। कार्यक्रम को अभनपुर विधायक श्री धनेन्द्र साहू ने भी सम्बोधित किया।

उच्च शिक्षा मंत्री श्री उमेश पटेल द्वारा विभिन्न योजनाओं के हितग्राहियों को चेक वितरण किया गया तथा राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिनिधित्व करने वाले जिले के चयनित खिलाड़ियों को सम्मानित किया। जिनमें जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र गरियाबंद के द्वारा मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना के मार्जिन मनी अनुदान वितरण उमेन्द्र नागेश, प्रियांद ध्रुव, पिन्टु गुप्ता सहित कुल 10 लोगों को 3 लाख 98 हजार 1 सौ रूपये का चेक प्रदान किया। छत्तीसगढ़ खादी तथा ग्रामोद्योग बोर्ड द्वारा 3 हितग्राहियों को प्रोत्साहन राशि ढाई लाख रूपया, जिला अंत्यावसायी सहकारी विकास समिति गरियाबंद एवं विभिन्न बैंको के सहयोग से स्वरोजगार हेतु लोन का वितरण भी किया गया। इस मौके पर प्रमुख रूप से जिला कलेक्टर नम्रता गांधी, पुलिस अधीक्षक जे आर ठाकुर, जिला सीईओ रोक्तिमा यादव एवं निर्वाचित जनप्रतिनिधि विभिन्न विभागों के अधिकारी-कर्मचारी तथा आमजन उपस्थित थे।

गुणवत्तापूर्ण प्रसव सेवाओं एवं उच्च जोखिम वाली गर्भवती महिलाओं के चिन्हांकन एवं प्रबंधन के लिए जारी किए विस्तृत दिशा निर्देश

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। स्वास्थ्य विभाग ने प्रदेश में मातृत्व स्वास्थ्य एवं शिशु स्वास्थ्य को बेहतर करने तथा मातृ मृत्यु दर एवं शिशु मृत्यु दर में कमी लाने के लिए प्रसव संबंधी सेवाओं के सुदृढ़ीकरण करने व उच्च जोखिम वाली गर्भवती महिलाओं के चिन्हांकन एवं समुचित प्रबंधन के लिए आवश्यक सावधानियों के संबंध में विस्तृत दिशा-निर्देश जारी किए हैं।

स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग की संचालक डॉ. प्रियंका शुक्ला द्वारा सभी जिलों के कलेक्टरों तथा मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारियों को परिपत्र जारी कर इस संबंध में जारी दिशा-निर्देशों का पालन करने कहा गया है। परिपत्र में सभी गर्भवती महिलाओं का प्रथम त्रैमास में पंजीयन, गुणवत्तापूर्ण प्रसव पूर्व जांच, विस्तृत स्वास्थ्य परीक्षण, उच्च जोखिम गर्भावस्था की पहचान एवं प्रबंधन हेतु विस्तृत दिशा-निर्देश दिए गए हैं। स्वास्थ्य विभाग ने कलेक्टरों को जिला स्तर पर इन दिशा-निर्देशों के क्रियान्वयन की समीक्षा करने और स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग तथा महिला एवं बाल विकास विभाग के मध्य कुपोषित, गंभीर कुपोषित उच्च जोखिम वाली महिलाओं के संबंध में आवश्यक समन्वय स्थापित कर ऐसी महिलाओं का सुपोषण सुनिश्चित करने हेतु आर्थिक संसाधन उपलब्ध कराने कहा है। विभाग ने प्रत्येक गर्भवती महिला को विभिन्न विभागों द्वारा दी जाने वाली सहायता राशि को समय से उपलब्ध कराए जाने हेतु आवश्यक कार्यवाही करने तथा चिन्हांकित स्वास्थ्य संस्थाओं में आपातकालीन प्रसूति देखभाल, सी- सेक्शन और ब्लड-ट्रांसफ्यूजन (Emergency Obstetric Care, C-section and Blood Transfusion) की सुविधा उपलब्ध कराए जाने हेतु आवश्यक संसाधनों की व्यवस्था करने के लिए निर्देशित किया है।

आंगनबाड़ी कार्यकर्ता एवं सहायिका के रिक्त पदों में भर्ती के लिए आवेदन आमंत्रित

रायगढ़। एकीकृत बाल विकास परियोजना कापू अन्तर्गत विभिन्न आंगनबाड़ी केन्द्रों के लिए आंगनबाड़ी कार्यकर्ता एवं सहायिकाओं की 14 रिक्त पदों पर नियुक्ति की जा रही है। इसके लिए आवेदक निर्धारित प्रारूप में आवेदन पत्र दिनांक 7 मार्च 2022 को शाम 05 बजे तक कार्यालयीन समय पर कार्यालय परियोजना अधिकारी, एकीकृत बाल विकास परियोजना कापू, जिला रायगढ़ में सीधे अथवा पंजीकृत डाक से भेज सकते है। सोनपुर, चुल्हाखोल, इंचपारा, डगभौना, रामपुर,चाल्हा एवं जुनापारा आंगनबाड़ी केन्द्र में सहायिका के 1-1 पद रिक्त है।

छत्तीसगढ़ के प्राथमिक स्कूलों में होगा भाषाई सर्वे

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राज्य के सभी प्राथमिक स्कूलों में बच्चों द्वारा घर पर बोले जाने वाली भाषा का संकलन कर भाषाई सर्वे किया जाएगा। सर्वे के आधार पर बच्चों को पढ़ाई के लिए नई योजना तैयार की जाएगी।

महाप्रबंधक समग्र शिक्षा श्री नरेन्द्र दुग्गा ने बताया कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत हर राज्य को भाषाई सर्वेक्षण करने का जिम्मा सौंपा गया है। छत्तीसगढ़ राज्य पूरी गंभीरता के साथ इस भाषाई सर्वेक्षण को करने के लिए तत्पर है। उन्होंने बताया कि इस सर्वेक्षण के मदद से छत्तीसगढ़ राज्य में प्राथमिक कक्षाओं की भाषाई विविधता पर आंकड़े जुटा पाएंगे और भाषाई परिदृश्य की स्पष्टता के साथ समझ सकेंगे। इसके आधार पर राज्य में आगे की शिक्षा नीति और क्षमता निर्माण की रणनीति में मदद मिलेगी।

राज्य में वर्तमान में बच्चे छत्तीसगढ़ी दोरली, हल्बी, भतरी, धुरवी, गोंडी, सादरी, कमारी, कुडुख, बघेली, सरगुजिया, बैगानी, माड़िया के अलावा अंतर्राज्यीय भाषाओं में उड़िया, बंगला, मराठी और तेलुगु में किताबें पढ़ रहे हैं। कक्षा पहली एवं दूसरी बच्चों के लिए स्थानीय भाषा में किताबों का प्रकाशन स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा किया गया है। नई शिक्षा नीति में भी मातृ भाषा एवं क्षेत्रीय भाषा में पढ़ाई पर जोर दिया गया है। राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद (एससीईआरटी) द्वारा तैयार की गई किताब में एक पेज हिन्दी का दूसरा पेज स्थानीय भाषा में तैयार किया गया है। अंतर्राष्ट्रीय मातृ भाषा दिवस के दौरान 22 फरवरी को सभी प्राथमिक स्कूलों में भाषाई सर्वे किया जाएगा। प्रदेश में मूलभूत साक्षरता और गणितीय कौशल विकास अभियान के तहत प्राथमिक स्कूली बच्चों के द्वारा बोली जाने वाली घर भाषा की जानकारी संकलित की जाएगी। राज्य स्तर पर सर्वे कार्य को पूरा करने के लिए दिशा-निर्देश सभी प्रधान पाठकों को दिए गए हैं। उनकी भाषा में अध्ययन के लिए योजना बनाने में सहयोग मिलेगा।

कोरबा पुलिस की अच्छी पहलः बिखरने से बचा परिवार जब एसपी ने जमीन पर बैठ लगाई ग्रामीणों संग चौपाल

एसपी का सभी थानेदारों को निर्देश.. सप्ताह में एक दिन ग्रामीणों के बीच जाकर आपसी सुलह कराएं, हो सके तो छत्तीसगढ़ी में ही करें बात

नशे में पति ने मारपीट कर पत्नी को घर से निकाला, चौपाल में एसपी ने घरेलू हिंसा अधिनियम से सचेत कर दी समझाईश तो पति ने कसम खाकर कहा नहीं पीऊंगा शराब, पत्नी को भी साथ रखने तैयार

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर । अब तक आपने पुलिस के डंडे की भाषा के बारे में ही सुना होगा । लेकिन कोरबा पुलिस प्यार की भाषा बोलकर, समझाईश देकर लोगों की समस्याएं सुलझाने का काम कर रही है । दरअसल कोरबा एसपी भोजराम पटेल ने सभी थानेदारों को सप्ताह में एक दिन गांव जाकर ग्रामीणों की समस्याएं सुलझाने का निर्देश दिया है ।

इसके साथ ही कहा गया है कि ग्रामीणों के बीच विवाद को समझाईश और आपसी समन्वय से सुलझाए जाएं और हो सके तो छत्तीसगढ़ी में ही बात करें। चौपाल कार्यक्रम के पहले दिन एसपी भोजराम खुद ग्रामीणों के बीच करुमौहा गांव पहुँचे । गांव पहुँचकर एसपी ने ग्रामीणों के साथ जमीन पर बैठकर छत्तीसगढ़ी में बात की । उल्लेखनीय है कि भोजराम खुद छत्तीसगढ़ के रायगढ़ जिले के एक छोटे से गांव से आते हैं । चौपाल में एक महिला ने एसपी को बताया कि उसके पति ने नशे में मारपीट कर घर से निकाल दिया है । एसपी ने तत्काल पति को बुलवाया । उन्होंने उसे घरेलू हिंसा अधिनियम बता कर सचेत किया । एसपी की समझाइश पर युवक अपनी पत्नी को साथ रखने तैयार हो गया साथ ही कसम भी खाई कि अब वह नशा नहीं करेगा।

इसके अलावा एक ग्रामीण ने बताया कि गांव का एक युवक उससे उधार लिए दस हजार रुपये वापस नहीं कर रहा है । पुलिस के हस्तक्षेप पर ग्रामीण को उसके पैसे वापस मिल गए। एसपी ने ग्रामीणों को बताया कि मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के निर्देश पर सुपोषण अभियान चलाया जा रहा है । आप सभी अपने बच्चों का समय समय पर स्वास्थ्य परीक्षण जरूर कराएं साथ ही पौष्टिक भोजन दें जिससे वे स्वस्थ्य रहें। उन्होंने कहा कि गांव की सबसे बड़ी खूबसूरती होती है कि यहां सभी लोग मिलजुल कर रहते हैं।

सभी प्राथमिक स्कूलों में होगा कहानी उत्सव का आयोजन

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राज्य में मूलभूत साक्षरता के विकास के लिए बच्चों को सुनने के कौशल में दक्ष बनाया जाएगा। अंतर्राष्ट्रीय मातृ भाषा दिवस के दौरान 22 फरवरी को राज्य के सभी प्राथमिक स्कूलों में कहानी उत्सव मनाया जाएगा। कहानी सुनाने के लिए स्कूलों में बड़े-बुजुर्गों को आमंत्रित किया जाएगा, जो स्थानीय भाषा में बच्चों को कहानी सुनाएंगे। आयोजन के लिए अजीम प्रेमजी फाउंडेशन के सहयोग से दिशा-निर्देश सभी जिला मिशन समन्वय समग्र शिक्षा को जारी कर दिए गए हैं।

कहानी सुनाना दुनिया को सबसे प्राचीन शिक्षण उपकरण है। प्राचीन काल से मौखिक परंपरा का उपयोग, ज्ञान, विश्वास, परंपराओं और इतिहास को प्रसारित करने के लिए किया जाता रहा है। कहानी सुनाना किसी की कल्पना को उसके रहने वाले परिवेश या संदर्भ के साथ जोड़ता है, वह वाचक और श्रोता के बीच सार्थक संबंध के लिए आपसी अंतर को दूर करता है। कहानी एक बहुसांस्कृतिक समाज में अनेक लोगों के दिल और दिमाग को छुने के लिए सामान्य आधार बनाता है। छोटे बच्चों को कहानियां बहुत पसंद आती है। स्थानीय बुजुर्गों से स्थानीय भाषा में कहानी सुनाने का अवसर मिलने से उनके सुनने की दक्षता का विकास होता है।

जिला मिशन समन्वयकों को निर्देशित किया गया है कि सभी प्राथमिक स्कूलों में कहानी उत्सव का आयोजन सुनिश्चित किया जाए। बड़े बुजुर्गों द्वारा सुनाई गई कहानियों को बड़ी कक्षा के बच्चों द्वारा लिखकर संकलित किया जाए। स्कूलों में उसकी वीडियो रिकार्डिंग की व्यवस्था रखें, ताकि उसे बाद में साझा किया जा सके। इस कार्यक्रम का आयोजन व्यापक स्तर पर करते हुए राज्य में मूलभूत साक्षरता और गणितीय कौशल विकास अभियान में सुनने के कौशल का विकास करने की दिशा में ठोस कार्य प्रारंभ करना सुनिश्चित किया जाए। इसके लिए बड़े बुजुर्गों के माध्यम से कहानी सुनाने की परंपरा को प्राथमिक स्कूलों में निरंतर जारी रखने की व्यवस्था की जाए।

खास खबर

मुख्यमंत्री और कृषि मंत्री ने गौठानों को पैरादान करने वाले किसानों को दिया धन्यवाद

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल एवं कृषि मंत्री रविन्द्र चौबे ने गौठानों में पशुधन के चारे की व्यवस्था के लिए पैरा-दान करने वाले राज्य के किसान भाईयों को धन्यवाद दिया है। मुख्यमंत्री ने कहा है कि उनकी अपील का राज्य के किसान भाईयों ने न सिर्फ मान रखा है, बल्कि इस साल पराली भी नहीं जलाई है। मुख्यमंत्री ने कहा है कि राज्य के किसान भाईयों ने अभी तक 15 लाख 67 हजार 507 क्विंटल पैरा का दान गौठान में पशुधन के चारे के लिए प्रबंध के लिए किया है, यह खुशी की बात है।

यहां यह उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री बघेल एवं कृषि मंत्री चौबे ने राज्य के किसान भाईयों से गौठानों को पैरादान करने और खेतों में पराली न जलाने की अपील की थी। उन्होंने किसानों के नाम जारी अपील में कहा था कि पशुधन के लिए गौठानों में सूखे चारे का पर्याप्त प्रबंध हो सके, इसके लिए खेतों में पैरा को जलाने की बजाय अपने गांव की गौठान समिति को पैरा-दान करें। इससे गोधन के लिए चारे का इंतजाम करने में समितियों को आसानी होगी। रायपुर संभाग के किसानों द्वारा अब तक गौठानों को तीन लाख 69 हजार 600 क्विंटल, दुर्ग संभाग के किसानों द्वारा 3 लाख 80 हजार 361, बिलासपुर संभाग की गौठानों में 6 लाख 10 हजार 765, सरगुजा संभाग में 74 हजार 787 तथा बस्तर संभाग के किसानों द्वारा गौठान समितियों को 1 लाख 31 हजार 994 क्विंटल पैरादान किया गया है। राज्य के गौठानों को इस प्रकार किसानों द्वारा दान किए गए 15 लाख 67 हजार 507 क्विंटल पैरा का मूल्य लगभग 31 करोड़ 35 लाख रूपए है।

सार्वजनिक वितरण प्रणाली के तहत 69.50 लाख राशन कार्ड जारी

रायपुर। छत्तीसगढ़ में खाद्य एवं पोषण सुरक्षा अधिनियम 2012 तथा छत्तीसगढ़ सार्वजनिक वितरण प्रणाली नियंत्रण आदेश- 2016 के अंतर्गत अब तक कुल 69 लाख 50 हजार 49 परिवारों को राशन कार्ड जारी किया गया है, जिसमें अत्योदय के परिवार, निराश्रित, नि:शक्तजन, प्राथमिकता वाले परिवार एवं एपीएल परिवार शामिल हैं। राशनकार्ड धारियों में 54 लाख 60 हजार 678 परिवार ग्रामीण इलाके के तथा 14 लाख 89 हजार 371 परिवार शहरी क्षेत्र के हैं।

खाद्य विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार राज्य में प्राथमिकता वाले 45 लाख 5 हजार 867 परिवारों को, अंत्योदय के 14 लाख 21 हजार 585 परिवारों को तथा 38 हजार 645 निराश्रितों को राशन कार्ड जारी किया गया है। कार्ड धारी नि:शक्तजन की संख्या 11 हजार 483 तथा एपीएल सामान्य परिवार वाले राशन कार्ड धारी की संख्या 14 लाख 89 हजार 371 है। गौरतलब है कि यह उल्लेखनीय है कि राज्य में पात्र छूटे हितग्राहियों को नियमानुसार राशन कार्ड जारी किए जा रहा है।

एकलव्य के 12 छात्रों ने मेडिकल प्रवेश परीक्षा में लहराया परचम

रायपुर। अखिल भारतीय मेडिकल प्रवेश परीक्षा (नीट) 2021 में एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय के विद्यार्थियों ने शानदार प्रदर्शन किया है। एकलव्य के 12 छात्रों ने मेडिकल प्रवेश परीक्षा में सफलता हासिल कर प्रतिष्ठित मेडिकल कॉलेजों में प्रवेश प्राप्त किया है। इनमें से 11 विद्यार्थी एमबीबीएस और एक विद्यार्थी का चयन बीडीएस (डेंटल) के लिए हुआ है। आदिम जाति तथा अनुसूचित जाति विकास मंत्री डॉ. प्रेमसाय सिंह टेकाम, सचिव डीडी सिंह और आयुक्त शम्मी आबिदी ने इन विद्यार्थियों को शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है। मेडिकल प्रवेश परीक्षा में सफल विद्यार्थियों में एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय कटेकल्याण जिला दंतेवाड़ा के 5 विद्यार्थी पीयूषा वेक और रमशिल्ला बेक का चयन रायपुर के पंडित जवाहर लाल नेहरू मेमोरियल कॉलेज, इंदू कोडोपी और पद्मा माडे का चयन छत्तीसगढ़ आयुर्विज्ञान संस्थान बिलासपुर, साल्वम पाले का चयन शासकीय डेंटल कॉलेज रायपुर में हुआ है। एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय तरेगांव जंगल जिला कबीरधाम के दो छात्र- रघुनंदन धुर्वे का चयन शासकीय मेडिकल कॉलेज बिलासपुर और दिग्विजय सिंह मसराम का चयन शासकीय मेडिकल कॉलेज कांकेर में हुआ है।

छत्तीसगढ़ में राज्य सरकार ने लगभग तीन वर्ष में समर्थन मूल्य पर खरीदी के लिए लघुवनोपजों की संख्या 7 से बढ़ाकर की 61

सफेद अमचूर 120 रूपए तथा भूरा अमचूर 80 रूपए प्रति किलोग्राम की दर पर खरीदी

अब खरीदी में हर्रा बाल, महुआ फूल कच्चा (फूड ग्रेड), झाड़ू छिंद (घास), कोदो, कुटकी (काला), कुटकी (भूरा), रागी, अमचूर (सफेद) तथा अमचूर (भूरा) भी शामिल

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की मंशा के अनुरूप प्रदेश के वनवासियों के हित को ध्यान में रखते हुए राज्य सरकार द्वारा छत्तीसगढ़ में वर्तमान में समर्थन मूल्य पर 61 लघु वनोपजों की खरीदी की जा रही है। वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री मोहम्मद अकबर ने बताया कि इस तरह छत्तीसगढ़ में लगभग तीन वर्ष में समर्थन मूल्य पर खरीदी के लिए लघु वनोपजों की संख्या 7 से बढ़ाकर 61 कर दी गई है। गौरतलब है कि राज्य सरकार द्वारा छत्तीसगढ़ में निर्धारित समर्थन मूल्य के तहत 52 से बढ़ाए गए 61 लघु वनोपजों में हर्रा बाल, महुआ फूल कच्चा (फूड ग्रेड), झाड़ू छिंद (घास), कोदो, कुटकी (काला), कुटकी (भूरा), रागी, अमचूर (सफेद) तथा अमचूर (भूरा) नवीन लघु वनोपज शामिल है। निर्धारित समर्थन मूल्य के अनुसार इनमें हर्रा बाल 30 रूपए, महुआ फूल कच्चा (फूड ग्रेड) 10 रूपए, झाड़ू छिंद (घास) 15 रूपए, कोदो 30 रूपए, कुटकी (काला) 30 रूपए, कुटकी (भूरा) 30 रूपए, रागी 33.77 रूपए, अमचूर (सफेद) 120 रूपए तथा अमचूर (भूरा) 80 रूपए प्रति किलोग्राम की दर पर खरीदी की जाएगी।

इस संबंध में प्रबंध संचालक छत्तीसगढ़ राज्य लघु वनोपज संघ संजय शुक्ला ने बताया कि राज्य में वर्तमान में समर्थन मूल्य के अंतर्गत खरीदी की जा रही लघु वनोपजों में संग्रहण दर मालकांगनी बीज (सूखा) 100 रूपए, बायबडिंग 94 रूपए, कालमेघ/भूईनीम (सूखा) ग्रेड-1-35 रूपए, कालमेघ/भूईनीम (सूखा) ग्रेड-2-31.50 रूपए, आंवला (बीज रहित) सूखा 57 रूपए प्रति किलोग्राम निर्धारित है। इसी तरह रंगीनी लाख/छिली लाख (सूखा) 220 रूपए, रीठा फल (सूखा) 14 रूपए, वन जीरा बीज 70 रूपए, सतावर जड़ (सूखा) 107 रूपए, चरौटा बीज ग्रेड-1-16 रूपए, चरौटा बीज ग्रेड-2-14.50 रूपए, शहद 225 रूपए तथा नागरमोथा (सूखा) 30 रूपए प्रति किलोग्राम निर्धारित है। माहुल पत्ता 15 रूपए, हर्रा साबूत (सूखा) ग्रेड-1-15 रूपए, हर्रा साबूत (सूखा) ग्रेड-2-13.50 रूपए, हर्रा कचरिया 25 रूपए, बहेड़ा साबूत (सूखा) ग्रेड-1-17 रूपए, बहेड़ा साबूत (सूखा) ग्रेड-2-15.30 रूपए, बहेड़ा कचरिया 20 रूपए तथा गिलोय (सूखा) ग्रेड-1-40 रूपए, गिलोय (सूखा) ग्रेड-2-36 रूपए प्रति किलोग्राम निर्धारित है।

इसी तरह कुसुमी लाख/छिली लाख (सूखा) 300 रूपए, वन तुलसी बीज 16 रूपए, भेलवा 9.75 रूपए, शिकाकाई फल्ली (सूखा) 50 रूपए, इमली आटी (बीज सहित) ग्रेड-1-36 रूपए, इमली आटी (बीज सहित) ग्रेड-2-33 रूपए, इमली फूल (बीज रहित) 69 रूपए, इमली बीज 11 रूपए तथा महुआ फूल (सूखा) 33 रूपए, महुआ बीज 29 रूपए प्रति किलोग्राम निर्धारित है। झाड़ू फूल (घास) 50 रूपए, कौंच बीज 21 रूपए, धवई फूल (सूखा) ग्रेड-1-37 रूपए, धवई फूल (सूखा) ग्रेड-2-33.50 रूपए, चिरौंजी गुठली ग्रेड-1-126 रूपए, चिरौंजी गुठली ग्रेड-2-115 रूपए, करंज बीज 24 रूपए, बेलगुदा (सूखा) ग्रेड-1-30 रूपए, बेलगुदा (सूखा) ग्रेड-2-27 रूपए तथा कुल्लू गोंद 125 रूपए प्रति किलोग्राम निर्धारित है। काजू गुठली ग्रेड-1-90 रूपए, काजू गुठली ग्रेड-2-81 रूपए, साल बीज 20 रूपए, कुसुम बीज ग्रेड-1-23 रूपए, कुसुम बीज ग्रेड-2-20.70 रूपए, नीम बीज (सूखा) 27 रूपए, जामुन बीज (सूखा) ग्रेड-1-42 रूपए, जामुन बीज (सूखा) ग्रेड-2-38 रूपए प्रति किलोग्राम निर्धारित है।

इसके अलावा संग्रहण दर आंवला फल (कच्चा) 28 रूपए, रंगीनी लाख बीहन (जीवित लाख कीट के साथ) 200 रूपए, कुसुमी लाख बीहन (जीवित लाख कीट के साथ) ग्रेड-1-275 रूपए, कुसुमी लाख बीहन (जीवित लाख कीट के साथ) ग्रेड-2-245 रूपए, झाड़ू कांटा (घास) 25 रूपए, बेलफल (कच्चा) 10 रूपए, जामुन फल (कच्चा) 23 रूपए, सवई घास 15 रूपए, पाताल कुम्हड़ा कंद (सूखा) 21 रूपए, सफेद मूसली कंद (सूखा) 650 रूपए, तीखुर कंद (कच्चा) 20 रूपए, अश्वगंधा जड़ (सूखा) 350 रूपए, कोरिया बीज (इन्द्र जौ) (सूखा) 150 रूपए, कुटज छाल (सूखा) 12 रूपए तथा पलाश फूल (सूखा) 11.50 रूपए प्रति किलोग्राम निर्धारित है।

जीवन में तनाव से मुक्ति पाने का एक ही मार्ग है अध्यात्म- रितेश्वर महाराज

रायपुर (ए)। समय परिवर्तनशील है, वर्तमान दौर में कोरोना महामारी ने पूरी दुनिया को झंझोड़कर रख दिया। समय-समय पर इस तरह की विपदाएं आती रही है। मनुष्य को हर विपदा का सामना करना आना चाहिए। हर किसी के जीवन में तनाव है। तनाव से मुक्ति पाने का एक ही मार्ग है अध्यात्म। यदि मनुष्य अध्यात्म का सहारा ले तो तनाव से बच सकने में मदद मिल सकती है। यह कहना है वृंदावन से राजधानी आए रितेश्वर महाराज का। गीतांजलि नगर में संवाददाताओं से चर्चा करते हुए महाराज ने कहा कि आनंदित जीवन जीने के लिए प्रभु की शरण में जाना चाहिए। यदि प्रभु से प्रेम हो गया तो दुनिया के आडंबर से अपने आप मुक्त हो जाओगे। इंसान, समय को दोष न दें, अपने आपको निखारने के प्रयास में लग जाएं। जिस दिन अपने आपको जान जाओगे उस दिन किसी से बैर, द्वेष की भावना मन में नहीं आएगी।

शराबबंदी देशभर में हो

छत्तीसगढ़ में शराबंदी के सवाल पर महाराज का कहना था कि शराबबंदी की बात जोरशोर से उछलती है, लेकिन शराबबंदी के मामले में कोई भी सरकार सख्त कदम नहीं उठाती। जो लोग शराबबंदी की आवाज उठाते हैं, वही लोग उसका पालन नहीं करते और जब मौका मिलता है, शराब का सेवन करते हैं। पहले अपने आपको सुधारने का प्रयास करो, देश अपने आप सुधर जाएगा। पूरे देश में शराब पर प्रतिबंध लगना चाहिए।

देशहित में एकजुट हों

महाराज ने कहा कि सभी राजनीतिक पार्टी का अपना एजेंडा होता है, विचारों में मतभेद भले हों, लेकिन जब देश की एकता, अखंडता की बात आए तो सभी दलों को एकजुट होकर केवल देश हित के लिए सोचना चाहिए। देश हित सर्वोपरि है, देश की रक्षा से बड़ी चीज कोई हो नहीं सकती।

धर्म की रक्षा करने के लिए सभी जाति, पाति के लोगों को एक साथ मिलकर कार्य करना चाहिए। अलग-अलग शहरों में धर्म संसद का आयोजन होता है, इसमें केवल धर्म को आगे बढ़ाने पर चर्चा होनी चाहिए। अफसोस, इस बात का है कि धर्म संसद में ऐसे लोग घुस जाते हैं, जो धर्म विरोधी बातें कहकर जनमानस को उद्वेलित करते हैं।

रायपुर रीजन बना पावर कंपनी क्रिकेट टूर्नामेंट का विजेता

रायपुर (ए)। छत्तीसगढ़ स्टेट पावर कंपनी के अंतरक्षेत्रीय क्रिकेट प्रतियोगिता के फाइनल मैच में रायपुर रीजन की टीम विजेता रही। कोरबा पूर्व की टीम उपविजेता रही। फाइनल मैच भारी रोमांचक रहा, अंतिम गेंद में कोरबा पूर्व की टीम ने स्कोर बराबर कर मैच टाई करा दिया था, सुपर ओवर में रायपुर रीजन टीम विजयी हुई। प्रबंध निदेशक उज्जवला बघेल, हर्ष गौतम और एनके बिजौरा ने सभी विजेता खिलाड़ियों को पुरस्कार वितरित किया।

छह दिन चला अंतरक्षेत्रीय क्रिकेट प्रतियोगिता

छह दिन से चल रहे छत्तीसगढ़ पावर कंपनी अंतरक्षेत्रीय क्रिकेट प्रतियोगिता का फाइनल मैच डगनिया स्थित मैदान में हुआ।अतिथियों ने विजेता टीम के कप्तान महेश ठाकुर व उपविजेता टीम के कप्तान सरोज कुमार राठौर सहित सभी खिलाड़ियों को ट्राफी प्रदान किया। फाइनल मैच में मैन आफद मैच रायपुर रीजन के आनंद वर्मा रहे। पूरे टूर्नामेंट में सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज का खिताब नितिन सैमुएल,सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज लवनीत सिन्हा को दिया गया।

रायपुर रीजन टीम के गौरव डोंगरे को मैन आफ द टूर्नामेंट के खिताब से नवाजा गया। समारोह में कोरबा पूर्व के खिलाड़ी सुरेश क्रिस्टोफर को क्रिकेट में दीर्घ सेवा के लिए लाइफ टाइम अचीवमेंट सम्मान प्रदान किया गया। फाइनल मैच को रोमांचक बनाने के लिए योहान नायक, एन बिम्बीसार को विशेष पुरस्कार प्रदान किया गया।

रोमांच ने भर दिया दर्शकों में उत्साह

समापन समारोह में मुख्य अतिथि प्रबंध निदेशक (होल्डिंग) उज्जवला बघेल ने कहा फाइनल मैच के रोमांच ने दर्शकों को भी उत्साह से भर दिया। प्रबंध निदेशक (डिस्ट्रीब्यूशन) हर्ष गौतम ने कहा कि खेल में सभी खिलाड़ियों ने बेहतर प्रदर्शन किया, दोनों ही टीमों को विजेता कहा जाए तो अतिश्योक्ति नहीं होगी। प्रबंध निदेशक (जनरेशन) एनके बिजौरा ने कहा कि अपने दायित्व के अलावा कर्मी पूरी ऊर्जा से खेल का प्रदर्शन कर रहे हैं, यह दूसरों को बेहतर कार्य एवं खेल भावना के लिए प्रेरित करेगा।

इस अवसर पर केंद्रीय क्रीड़ा एवं कला परिषद के महासचिव एमएस चौहान, छत्तीसगढ़ राज्य क्रिकेट संघ के संयुक्त सचिव जीएस मूर्ति, क्षेत्रीय क्रीड़ा परिषद के अध्यक्ष जेएस नेताम विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित थे। स्वागत भाषण एवं प्रतिवेदन केंद्रीय क्रीड़ा सचिव आरके बंछोर ने प्रस्तुत किया। मंच संचालन प्रबंधक (जनसंपर्क) गोविंद पटेल ने और आभार प्रदर्शन प्रतियोगिता प्रभारी अधीक्षण अभियंता मनोज वर्मा ने किया।

बोर्ड परीक्षा ने बढ़ाया तनाव: माध्यमिक शिक्षा मंडल हेल्पलाइन पर करेगा काउंसलिंग

मनोवैज्ञानिक, डॉक्टर और ट्रेंड शिक्षक सुलझाएंगे परीक्षा से जुड़ी समस्या

रायपुर (ए)। रायपुर में भाठागांव के प्रदीप शर्मा अपने बेटे को लेकर परेशान हैं। उसे इस साल 10वीं की परीक्षा देनी है। बच्चा पढ़ाई में अच्छा है, लेकिन कुछ दिनों से वह घबराया हुआ है। रात को ठीक ढंग से सो नहीं पा रहा है। ठीक ढंग से खाना भी नहीं खा रहा है। किताबें लेकर बैठ रहा है लेकिन फोकस नहीं कर पा रहा है। प्रदीप पिछले दिनों बच्चे को लेकर एक मनोचिकित्सक को दिखाने भी गए थे। वहां काउंसलिंग के बाद उनके बेटे की स्थिति में कुछ सुधार दिख रहा है।

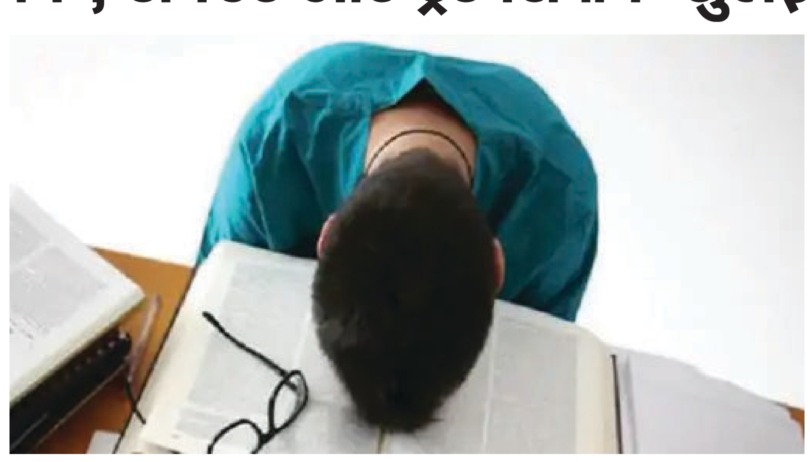

कई पालकों की ऐसी समस्या आ रही है। विशेषज्ञों का कहना है, ऐसा परीक्षा के तनाव की वजह से हो रहा है। आशंका जताई जा रही है कि इस साल बच्चे इस समस्या से अधिक प्रभावित हो सकते हैं। अधिकतर कक्षाएं ऑनलाइन चली हैं। प्रायोगिक कक्षाएं भी सामान्य ढंग से नहीं चल पाई हैं, ऐसे में बच्चों के सामने चुनौतियां बढ़ी हुई हैं। परीक्षा संबंधी तकनीकी और मनोवैज्ञानिक समस्याओं के समाधान के लिए छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मंडल भी मंगलवार से एक हेल्पलाइन शुरू करने जा रहा है।

छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मंडल के सचिव प्रो. वीके गोयल ने बताया, इस हेल्पलाइन के माध्यम से मनोवैज्ञानिक, मनोचिकित्सक, ट्रेंड शिक्षक और मोटीवेटर परीक्षार्थियों में परीक्षा-भय, कोविड.19 संक्रमण की सुरक्षा व सावधानियां परीक्षा तनाव संबंधी समस्याओं पर परामर्श देंगे। इस हेल्पलाइन के जरिए विषय विशेषज्ञ भी अगले दिन होने वाली विषय की परीक्षा से संबंधित समस्याओं का भी निराकरण करेंगे। माध्यमिक शिक्षा मंडल के अधिकारी भी बोर्ड से संबंधित समस्याओं का समाधान करेंगे।

इस टोल-फ्री नंबर से मिलेगी मदद

माध्यमिक शिक्षा मंडल ने इस हेल्पलाइन के लिए टोल-फ्री नम्बर 18002334363 जारी किया है। 22 फरवरी से सुबह 10.30 से शाम 5 बजे तक इस नंबर पर फोन किया जा सकता है। यह निशुल्क है। इसके जरिए विशेषज्ञ आपकी समस्याओं का समाधान करेंगे। विद्यार्थी और अभिभावकों के अलावा शिक्षक भी इसकी मदद ले सकते हैं।

दो मार्च से शुरू हो रही है बोर्ड परीक्षा

माध्यमिक शिक्षा मंडल से घोषित कार्यक्रम के मुताबिक12वीं की परीक्षा 2 मार्च से शुरू होकर 30 मार्च तक चलेगी। वहीं 3 मार्च से 23 मार्च तक 10वीं की परीक्षा ली जाएगी। फिजिकल एजुकेशन की परीक्षा भी 3 मार्च से 11 मार्च तक ली जाएगी। इन कक्षाओं की परीक्षाएं सुबह 9 बजे से दोपहर 12.15 बजे तक होंगी। इन सभी परीक्षाओं के लिए 6 लाख 83 विद्यार्थियों ने अपना पंजीयन कराया है। बोर्ड ने 6 हजार 787 स्कूलों को परीक्षा केंद्र बनाया है।

नंदनी रोड, लिंक रोड, सर्कुलर मार्केट, जवाहर मार्केट पावर हाउस, भिलाई के प्रतिष्ठित संस्थान

हेल्थ से पहले स्वाद: 81 प्रतिशत भारतीय एक टाइम के खाने को स्नैक्स से रीप्लेस करते हैं

स्वादिष्ट नाश्ता और जंक फूड किसे पसंद नहीं होता। लोग अक्सर इंटरनेट से प्रेरित होकर नई-नई रेसिपीज ट्राय करते हैं, लेकिन भारत में यह ट्रेंड कुछ ज्यादा ही बढ़ गया है। हाल ही में स्टेट ऑफ स्नैकिंग नाम से रिलीज हुई एक रिपोर्ट में कहा गया है कि देश के 81 प्रतिशत लोग दिन में कम से कम एक टाइम का खाना स्वादिष्ट नाश्ते से रीप्लेस करते हैं।

क्या कहती है रिसर्च?

■यह स्टडी मोंडेलेज इंटरनेशनल और द हैरिस पोल ने साथ मिलकर की है।

■रिसर्चर्स ने पाया कि भारत में लगभग 10 में से 8 लोग रोजाना एक टाइम स्नैक्स खाना पसंद करते हैं।

■ज्यादातर लोग शाम के समय स्नैक्स खाते हैं। ये लोग सुविधा और कंफर्ट के लिए न्यूट्रिशन से समझौता करते हैं।

■इस शौक को कोरोना महामारी ने भी बढ़ाया है। 83 प्रतिशत भारतीयों ने कहा कि पिछले 3 सालों से वे अलग-अलग तरह के स्नैक्स खाने लगे हैं।

सोशल मीडिया पर फूड कंटेंट लोकप्रिय

■स्टडी में शामिल 92 प्रतिशत भारतीय कहते हैं कि वो सोशल मीडिया पर फूड कंटेंट देखना पसंद करते हैं। वैश्विक स्तर पर ये दर 62 प्रतिशत है।

■77 प्रतिशत लोगों का मानना है कि सोशल मीडिया से प्रेरित होकर ही उन्होंने पिछले एक साल में कम से कम एक नया स्नैक ट्राय किया है। वैश्विक स्तर पर ये दर 55 प्रतिशत है।

■80 प्रतिशत लोग मानते हैं कि स्नैक्स खाकर उनकी सोशल हेल्थ अच्छी होती है। इसका मतलब कि वे फूड के जरिए दूसरों से अच्छे रिश्ते बना पाते हैं।

■मोंडेलेज इंडिया के वाइस प्रेसिडेंट अनिल विस्वनाथन का कहना है कि देश में ई-कॉमर्स बढ़ने के कारण भी लोगों में स्नैकिंग की आदत बढ़ रही है।

लगातार स्नैक्स खाने से बढ़ता है वजन

■अधिकतर लोग स्नैक्स में तला, मसालेदार खाना खाते हैं। ये चीजें रेगुलर खाने से मोटापा बढ़ता है।

■आजकल प्रोसेस्ड और पैकेज्ड फूड बाजार में आसानी से उपलब्ध है। ये लॉन्ग टर्म में हमारे स्वास्थ्य के लिए हानिकारक होते हैं।

■स्नैक्स से पेट भरने के कारण लोग घर का खाना छोड़ देते हैं। इससे शरीर में जरूरी न्यूट्रिएंट्स की कमी हो जाती है।

■आप स्नैक्स में कई हेल्दी चीजें खा सकते हैं। इसमें फल और ड्राई फ्रूट्स शामिल हैं।

रीढ़ की हड्डी में परेशानी मेंटल हेल्थ पर असर डालती है, इससे एंग्जाइटी और डिप्रेशन का खतरा

आपकी मेंटल हेल्थ खराब होने के पीछे चिंता के अलावा भी कई वजहें हो सकती हैं। हाल ही में यूनिवर्सिटी ऑफमिशिगन के वैज्ञानिकों ने एक रिसर्च में बताया है कि रीढ़ की हड्डी से जुड़ी परेशानी से जूझ रहे 80 प्रतिशत लोगों को मानसिक स्वास्थ्य की समस्याएं भी होती हैं।

ऐसे हुई रिसर्च

इस स्टडी में वैज्ञानिकों ने दो तरह के एडल्ट्स के डेटा का एनालिसिस किया। पहले वो जिन्हें रीढ़ की हड्डी में चोट या परेशानी थी। इनकी संख्या 9 हजार से ज्यादा थी। दूसरे वो जिन्हें इस तरह की कोई समस्या नहीं थी। इनकी संख्या 10 लाख से ज्यादा थी। वैज्ञानिकों ने पाया कि रीढ़ की हड्डी से जुड़ी परेशानियों से जूझ रहे लोगों को चिंता संबंधी विकारों से लेकर नींद न आने और ब्रेन फॉग तक की समस्याएं थीं। वैसे तो एंग्जाइटी और डिप्रेशन जैसी परेशानियां स्पाइनल चोट का रिजल्ट नहीं होतीं, लेकिन स्वस्थ लोगों की तुलना में ऐसे लोगों में ये बीमारियां ज्यादा हो सकती है।

क्रोनिक पेन भी मानसिक बीमारियों का कारण

रिसर्च में कहा गया है कि रीढ़ की हड्डी में क्रोनिक पेन यानी लंबे समय तक रहने वाला दर्द भी इंसान में मानसिक बीमारियां पैदा कर सकता है। कई लोगों में रीढ़ की हड्डी में चोट से नहीं बल्कि लंबे समय तक रहने वाले दर्द से मेंटल हेल्थ प्रॉबलम्स देखी गईं।

क्या है इन परेशानियों का समाधान?

वैज्ञानिकों का कहना है कि डॉक्टर्स को रीढ़ की हड्डी की समस्या से जूझ रहे मरीजों के मानसिक स्वास्थ्य पर भी ध्यान देना चाहिए। यदि मरीज में मेंटल हेल्थ प्रॉबलम्स के कोई लक्षण दिखते हैं तो उन्हें प्रेरित करना चाहिए कि वे बीमारी का इलाज करवाएं।

प्रेग्नेंसी और हार्ट हेल्थ का कनेक्शन: गर्भवती होने से पहले अपने दिल की सेहत सुधार लें, वरना हो सकते हैं गंभीर कॉम्प्लिकेशन्स

प्रेग्नेंसी में एक महिला के पूरे शरीर में बदलाव आते हैं। पहले ट्राइमेस्टर में शरीर में खून की मात्रा 30-40 प्रतिशत तक बढ़ जाती है। इसके चलते दिल का काम भी बढ़ जाता है और धड़कनें भी तेज होने लगती है। इसलिए ऐसी अवस्था में प्रजनन स्वास्थ्य के साथ अपने दिल के स्वास्थ्य पर ध्यान देना भी बेहद जरूरी होता है। अमेरिकी वैज्ञानिकों ने हाल ही में एक रिसर्च में कहा है कि प्रेग्नेंट होने से पहले महिलाओं को अपने दिल को पूरी तरह सेहतमंद बना लेना चाहिए। ऐसा न करने से प्रेग्नेंसी के दौरान गंभीर कॉम्प्लिकेशन्स होने का खतरा होता है।

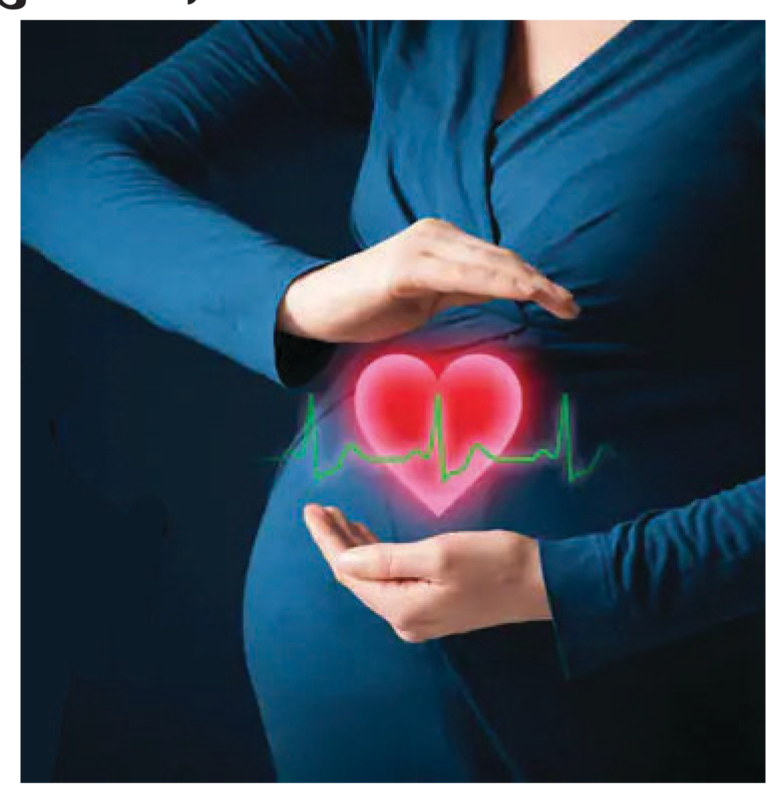

क्या कहती है रिसर्च?

■यह रिसर्च अमेरिकन हार्ट एसोसिएशन की मेडिकल जर्नल सर्कुलेशन में प्रकाशित हुई है। इसमें प्रेग्नेंसी प्लान करने से पहले दिल पर ध्यान देने की जरूरत को हाइलाइट किया गया है।

■स्टडी में पाया गया है कि अमेरिका में 20 से 44 साल की उम्र के बीच की हर 2 में से 1 महिला, जो साल 2019 में प्रेग्नेंट हुई, उसका दिल स्वस्थ नहीं था।

■डायबिटीज, हाई ब्लड प्रेशर और मोटापे से दिल की बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है। स्टडी में शामिल 50 प्रतिशत महिलाओं को इनमें से कोई न कोई बीमारी थी, जिससे उनके दिल को खतरा था।

■वैज्ञानिकों के अनुसार, हार्ट संबंधी बीमारियों के लिए मोटापा सबसे ज्यादा जिम्मेदार है।

■प्रेग्नेंसी के दौरान दिल की बीमारी मां और बच्चे दोनों के लिए ही रिस्की है। ये बीमारियां हर 4 में से 1 प्रेग्नेंट महिला की मौत का कारण बनती हैं।

प्रेग्नेंसी प्लान करने से पहले इन बातों पर गौर करें

■स्टडी में शामिल डॉ. सादिया खान का कहना है कि प्रेग्नेंट होने से पहले अपने दिल के स्वास्थ्य पर फोकस करें।

■रिसर्च की लीड वैज्ञानिक डॉ. नैटेली कैमरन कहती हैं कि जिन महिलाओं का दिल स्वस्थ होता है, उन्हें प्रेग्नेंसी में कॉम्प्लिकेशन्स होने का खतरा भी कम होता है और उनका बच्चा भी हेल्दी होता है।

■ऐसा करने से महिलाओं को भविष्य में भी दिल की बीमारी होने का जोखिम कम हो जाता है।

■डॉ. कैमरन के अनुसार, अधिकतर प्रेग्नेंसी प्लान की हुई नहीं होतीं। इसलिए महिलाओं को हमेशा ही अपनी हार्ट हेल्थ पर ध्यान देना चाहिए।

■एक्सरसाइज करने, अच्छी डाइट लेने, स्ट्रेस से दूर रहने और तंबाकू-शराब का सेवन न करने से हम दिल की बीमारियों से बच सकते हैं।

रोज सुबह खाइए भीगे हुए बादाम, कुछ ही दिनों में दिखने लगेंगे ऐसे गजब के फायदे

स्वास्थ्य विशेषज्ञों के मुताबिक रोज सुबह खाली पेट भीगे हुए बादाम खाना न सिर्फदिमाग को तेज करता है, साथ ही शारीरिक स्वास्थ्य के लिए भी इसके अद्भुत लाभ हो सकते हैं। शोध में पता चलता है कि भीगे हुए बादाम पाचन तंत्र को ठीक रखने से लेकर कैंसर पैदा करने वाले एजेंटों से लड़ने तक में लाभ प्रदान करता है। भीगे हुए बादाम के कई और भी फायदे हैं, आइए आगे की स्लाइडों में इस बारे में विस्तार से जानते हैं।

दिमाग को बनाता है तेज

बादाम का सेवन दिमाग तेज करने के लिए वर्षों से किया जाता रहा है। असल में बादाम एल-कार्निटाइन का अच्छा स्रोत है जो मस्तिष्क की नई कोशिकाओं को बढ़ावा देने में मदद करता है। इसके अलावा बादाम फेनिलएलनिन से भी भरपूर होते हैं जो याददाश्त और समग्र संज्ञानात्मक कार्य में सुधार के लिए जाने जाते हैं। इस सूखे मेवे में विटामिन-ई और बी-6 की उपस्थिति होती है, जो मस्तिष्क की कोशिकाओं को स्वस्थ बनाए रखने में मददगार है। भीगे हुए बादाम इन गुणों को बढ़ा देते हैं, साथ ही शरीर को पोषक तत्वों को बेहतर तरीके से अवशोषित करने में मदद करते हैं।

> बेहतर स्वास्थ्य को सुनिश्चित करने के लिए सभी लोगों को नियमित रूप से पौष्टिक चीजों के सेवन की सलाह दी जाती है। इसमें नट्स यानी कि सूखे मेवे खाना आपके लिए विशेष लाभकारी माना जाता है। अध्ययनों में रोजाना बादाम खाने को विशेष लाभदायक बताया गया है, इसमें भी भीगे हुए बादाम का सेवन इसके फायदों को कई गुना बढ़ा देता है। हम सभी जानते हैं कि बादाम आंखों, दिमाग और शरीर के कई अन्य कार्यों को फायदा पहुंचाता है, लेकिन भीगे हुए बादाम वास्तव में हमारे शारीरिक सिस्टम को दोगुना बूस्ट दे सकते हैं।

पाचन को बेहतर बनाए रखता है भीगा बादाम

बेहतर पाचन के लिए भीगे बादाम का सेवन करना आपके लिए विशेष लाभदायक हो सकता है। भीगे हुए बादाम खाने से पाचन क्रिया आसान हो जाती है। भीगे हुए बादाम लिपिड-ब्रेकिंग एंजाइम, लाइपेस को रिलीज करते हैं जो भोजन में मौजूद वसा पर काम करने के लिए जाना जाता है। इस तरह शरीर के पाचन तंत्र को स्वस्थ बनाए रखने में इसका सेवन लाभदायक हो सकता है। हालांकि बादाम का सेवन बहुत अधिक मात्रा में करने से पाचन संबंधी दिक्कतें भी बढ़ सकती हैं।

गर्भवती महिलाओं को जरूर खाने चाहिए भीगे बादाम

गर्भावस्था के दौरान डॉक्टर्स नट्स का सेवन करने की सलाह देते हैं। इसके लिए भीगे हुए बादाम को लिस्ट में डाल दें। ऐसा इसलिए है क्योंकि बादाम फोलेट का अच्छा स्रोत हैं जो नेचुरल लेवर को बढ़ावा देने वाले हार्मोन उत्पन्न करते हैं। इसके अलावा बादाम, बच्चों में जन्मजात हृदय दोष और तंत्रिका ट्यूब से संबंधित जोखिमों को दूर करने में भी सहायक है। कच्चे बादाम को भी फोलेट का अच्छा स्रोत माना जाता है, लेकिन भिगोने पर इसके पोषक तत्वों के अवशोषण की शक्ति बढ़ जाती है।

पेट की चर्बी से हैं परेशान तो आज से ही खाना शुरू करें लहसुन

भारतीय घरों में लहसुन का इस्तेमाल आम है. स्वाद बढ़ाने के लिए लहसुन का प्रयोग होता है. पर इसका प्रयोग केवल स्वाद के लिए नहीं होता, बल्कि अच्छी सेहत के लिहाज से भी लहसुन जरूरी है. आपको बता दें कि पेट की चर्बी को कम करने में भी लहसुन काफी लाभकारी है.

इस बात की पुष्टी कई शोधों में भी हो चुकी है. जानकारों का कहना है कि अगर आप पेट की चर्बी कम करना चाहते हैं तो लहसुन को अपनी डाइट में शामिल करें. इसके अलावा वजन कंट्रोल करने में भी ये बेहद लाभकारी है. इस खबर में हम आपको बताएंगे कि रोजाना लहसुन खाना कैसे हमारी सेहत के लिए लाभकारी हो सकता है.

हाल ही में प्रकाशित एक जर्नल के मुताबिक फैट बर्न करने में लहसुन काफी प्रभावशाली है. जानकारों की माने तो रोजाना लहसुन का सेवन जल्दी आपका वजन कम कर सकता है.

■लहसुन खाने से शरीर में यूरिन ज्यादा प्रोड्यूस होता है, जिससे वजन और बेली फैट कम होने में मदद मिलती है.

■लहसुन में प्रचूर मात्रा में विटामिन बी-6 और सी पाया जाता है.

■इसके अलावा फाइबर, मैगनीज और कैल्शियम का भी ये प्रमुख स्रोत होता है.

■अगर आप वजन कम करने के साथ ही पेट की चर्बी कम करना चाहते हैं तो रोज सुबह खाली पेट लहसुन की एक कली को पानी के साथ खाएं.

■इसके अलावा इसका सेवन आप गुनगुने पानी में नींबू का रस डालकर भी कर सकते हैं. नींबू का रस और लहसुन का एक साथ सेवन करने से वजन दोगुना तेजी से कम होता है.

■लहसुन खाने से लंबे समय तक पेट भरा रहता है. जिसके कारण आप कम खाना खाते हैं.

■लहसुन के लगातार सेवन से शरीर को काफी उर्जा मिलती है. इसके अलावा शरीर का मेटाबौलिज्म भी अच्छा रहता है और इम्यून भी मजबूत रहता है.

■कई शोधों के नतीजों की माने तो लहसुन के सेवन से कोलेस्ट्रोल भी कंट्रोल में रहता है.

■इसके साथ ही ये शरीर से सभी टौक्सिंस को बाहर निकालकर डाइजेस्टिव सिस्टम को बेहतर बनाता है.

विज्ञापन के लिए संपर्क करें :- 9303289950, 9827806026, 8962815243

खास खबर

राजिम माघी पुन्नी मेला : सुरक्षा की दृष्टि से कुण्ड़ों में तैनात है गोताखोर

राजिम। राजिम माघी पुन्नी मेला में आने वाले श्रद्धालुओं के पुण्य स्नान के लिए शासन द्वारा कई स्थानों पर अस्थायी कुंडों का निर्माण कराया गया है। यहाँ पर महिला-पुरूष के लिए अलग-अलग अस्थाई प्रशाधन की भी व्यवस्था की गई है, ताकि कुण्ड में स्नान करने के बाद महिला पुरूषों को कपड़े बदलने में किसी प्रकार की कोई दिक्कत न हो। इसके अलावा एसडीआरएफ(स्टेट डिजास्टर रिस्पांस फोर्स) के तीन-तीन जवानों की तीन शिफ्ट में ड्यूटी लगाई गई है, ताकि किसी प्रकार की पानी से सम्बंधित दुर्घटना रोका जा सके। ड्यूटी में लगे जवान तेजनाथ चक्रधारी, जनोहर बंजारे और सुरेश ध्रुव ने बताया कि हमारे पास लाईफ जेकेट, लाईफब्वॉय (ट्यूब), सर्च लाईट हमेशा साथ रहता है। अभी तक किसी भी प्रकार की कोई अप्रिय दुरघटना नहीं हुई। हमारा विभाग होमगार्ड के अंतर्गत आता है। ड्यूटी राज्य आपदा मोचन बल के द्वारा लगाई गई है।

जनसंपर्क विभाग आज से 3 मार्च तक विभिन्न ग्रामों में लगाएगी छायाचित्र प्रदर्शनी

धमतरी। राज्य शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं एवं उपलब्धियों के प्रचार प्रसार के लिए आगामी सोमवार 21 फ़रवरी से 03 मार्च तक चारों विकासखंडों के विभिन्न ग्रामों में सूचना शिविर सह छायाचित्र प्रदर्शनी लगाई जायेगी। कलेक्टर पी एस एल्मा के निर्देशानुसार इन शिविरों का आयोजन ग्राम के हाट-बाजार वाले स्थलों में किया जाएगा। इसके तहत पहला सूचना शिविर सह छायाचित्र प्रदर्शनी का आयोजन सोमवार 21 फ़रवरी को नगरी विकासखंड की ग्राम पंचायत गट्टासिल्ली में किया जाएगा। इसी तरह 22 फ़रवरी को नगरी के ग्राम टांगापानी में, 23 फ़रवरी को ग्राम घोटगांव में शिविर लगाकर शासन की योजनाओं व उपलब्धियों का प्रचार प्रसार किया जाएगा। इसी तरह कुरूद विकासखंड के ग्राम पचपेड़ी में 24 फ़रवरी को, सेमरा बी में 25 फ़रवरी को, मगरलोड ब्लॉक के ग्राम बोरसी में 26 फ़रवरी को, 27 फ़रवरी को सिंगपुर में छायाचित्र प्रदर्शनी लगाई जाएगी। इसके अलावा धमतरी विकासखंड के ग्राम पीपरछेड़ी दे. में 28 फ़रवरी को, दसवां शिविर ग्राम अमलीडीह में 03 मार्च को आयोजित किया जाएगा।

देखते ही बनती है राजिम के राजीव लोचन मंदिर की भव्यता

श्रीकंचनपथ न्यूज

राजिम। छत्तीसगढ़ के प्रयाग राज धर्म नगरी राजिम की पहचान भगवान राजीव लोचन मंदिर प्राचीन भारतीय सभ्यता का जीता जागता प्रमाण है, इसकी भव्यता देखते ही बनती है। छत्तीसगढ़ के प्रयाग के रूप में प्रख्यात राजिम की ख्याती राजीव लोचन मंदिर व यहां विराजे भगवान विष्णु के साथ जुड़ी है। वहीं नदी के दूसरी ओर कुलेश्वर महादेव का मंदिर इस प्राचीन नगरी को अदभुत बनाती है। राजिम का राजीव लोचन मंदिर आठवीं शताब्दी का है।

इसके जन्मदिन के अवसर पर प्रतिवर्ष माघ पूर्णिमा से महाशिवरात्रि तक मेला आयोजित किया जाता है। भले ही मेले का स्वरूप बदला हो लेकिन इसकी पौराणिक मान्यता युगों-युगों तक बरकरार रहेगी।

धर्म नगरी राजिम का प्राचीन नाम कमलक्षेत्र है। ऐसी मान्यता है कि सृष्टि के आरम्भ में भगवान विष्णु के नाभि से निकला कमल यहीं पर स्थित था और ब्रह्मा जी ने यहीं से सृष्टि की रचना की थी। इसीलिए इसका नाम कमलक्षेत्र पड़ा। राजिम में महानदी, पैरी नदी तथा सोंढुर नदी का संगम होने के कारण यह स्थान छत्तीसगढ़ का त्रिवेणी संगम कहलाता है। संगम के मध्य में कुलेश्वर महादेव का विशाल मंदिर स्थित है। कहा जाता है कि वनवास काल में राम ने इस स्थान पर अपने कुलदेवता महादेव की पूजा की थी।

ड्रोन कैमरे में दिखी नगर की भव्यता

राजिम नगरी की भव्यता को ड्रोन कैमरे की नजर से देखने का प्रयास किया गया। इस दौरान धर्म नगरी की भव्यता देखते ही बनती है। आसमान की ऊंचाई से राजीव लोचन मंदिर से लेकर महानदी व पूरा नगर एक खास स्वरूप में नजर आया।

छाया चंद्राकर के गानों ने दर्शकों को झूमने पर मजबूर किया, बाहां भर चुरी मै मांगों मयारू जोड़ी, इस गीत ने दर्शकों को बांधे रखा

श्रीकंचनपथ न्यूज

राजिम। माघी पुन्नी मेला में मुक्ताकाशी मंच पर डौंडीलोहारा लोक सिरजन के कलाकरों ने मनमोहक प्रस्तुति दी। इनकी पहली प्रस्तुति दाई वो निक लागे तोर भुवन... के साथ छत्तीसगढ़ महतारी को समर्पित जय छत्तीसगढ़ जय छत्तीसगढ़ .... इस गीत के माध्यम से छत्तीसगढ़ में पाये जाने वाले संस्कृति का बखान किया।

लोक सिरजन की अगली प्रस्तुति के रूप में शहीदों को श्रद्धांजलि देने के लिए लघु प्रहसन के माध्यम से बताया गया कि देश के लिए हमें सबकुछ त्याग करने के लिए सदैव तैयार रहना चाहिए। हम जियेंगे और मरेंगे ऐ वतन तेरे लिए..., वन्दे मातरम्... राष्ट्रभक्ति गीतों ने वातावरण को देश भक्तिमय बना दिया। भोजली, गौरी-गौरा, राऊत नाचा, ड़ण्ड़ा नृत्य, सुआ नृत्य, देवार गीत, पंथी गीत, छेरी के छेरा, जंवारा विसर्जन आदि की प्रस्तुति ने दर्शकों को बांधे रखा। इसके बाद छत्तीसगढ़ के राजा गीत कर्मा की प्रस्तुति दी गई। अंत मे इनकी प्रस्तुति बस्तरिया नृत्य की दी गई। मंच पर सांस्कृतिक कार्यक्रम के अगले क्रम में छत्तीसगढ़ की फिल्मी गायिका छाया चन्द्राकर ने शानदार दी।

इन्होंने गणेश वंदना कर कार्यक्रम की शुरूआत की। छत्तीसगढ़ महतारी को समर्पित करते हुए जय हो छत्तीसगढ़ महतारी तोर पांव... गीत को सुन दर्शकों ने तालियों से सम्मान किया। बस्तर के अंगा देवता के गीत रे-रे रेला हो..... को शोभायात्रा के माध्यम से दर्शया गया। छत्तीसगढ़ के आस-पास चलने वाली गीत नदिया के तीर म पीपर के छांव म... इस गीत ने मंच पर अलग ही छाप छोड़ गया। कारी फिल्म के गीत बांहा भर चुरी मै मांगो मयारू जोडी... की प्रस्तुति ने दर्शकों को झूमने पर मजबूर कर दिया। लोक मंच लोक छाया के कलाकारों के द्वारा हास्य प्रहसंग साक्षरता की प्रस्तुति दी गई जिसमें फिल्मी दुनिया के नाना पाटेकर, दीलिप कुमार, राजकुमार, शाहरूख खान की हूबहू आवाज निकालकर दर्शकों को लोट-पोट किया। इस प्रहसंग के माध्यम से बताया गया कि हम कितनों भी शिक्षित हो जाये हमें अपनी संस्कृति को नही छोड़नी चाहिए। अंत में सभी कलाकरों का सम्मान केन्द्रीय समिति के सदस्यगण, स्थानीय प्रतिनिधियों द्वारा किया गया।

12 मार्च को नेशनल लोक अदालत

श्रीकंचनपथ न्यूज

राजनांदगांव। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण नई दिल्ली एवं माननीय मुख्य न्यायाधिपति छत्तीसगढ उच्च न्यायालय बिलासपुर द्वारा 12 मार्च 2022 को नेशनल लोक अदालत का आयोजन निर्धारित किया गया है। नेशनल लोक अदालत वर्ष 2022 का पहला लोक अदालत होगा तथा यह लोक अदालत पूरे देश में आयोजित किया जायेगा।

नेशनल लोक अदालत जिला न्यायालय, राजनांदगांव के साथ तालुक स्तर पर डोंगरगढ़, खैरागढ़, अम्बागढ़ चौकी एवं छुईखदान में आयोजित की जायेगी। नेशनल लोक अदालत को सफल बनाने तथा अधिक से अधिक प्रकरणों को निराकरण के संबंध में जिला एवं सत्र न्यायाधीश तथा अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण श्री विनय कुमार कश्यप द्वारा न्यूडीआर भवन जिला न्यायालय परिसर में बैठक ली गई।

बैठक में जिला एवं सत्र न्यायाधीश श्री विनय कुमार कश्यप ने कहा कि प्रस्तुत किये जा रहे प्रकरणों में अधिक से अधिक ध्यान देने तथा सभी के उचित प्रयासों से वर्ष के पहले नेशनल लोक अदालत को सफल बनाने का प्रयास किया जाना है। इस अवसर पर न्यायाधीशगण, अपर कलेक्टर, पुलिस अधीक्षक, बीमा कंपनी के अधिकारीगण, बैंक अधिकारगण, विद्युत विभाग अधिकारी तथा अन्य विभाग के अधिकारी, वरिष्ठ अधिवक्ता, बीमा कंपनी के अधिवक्तागण सम्मिलित हुए। नेशनल लोक अदालत के लिए गठित खण्डपीठों द्वारा विभिन्न प्रकरणों व प्री-लीटिगेशन का निराकरण किया जाएगा।

राजिम मेला में संडे रहा फनडे, रविवार को राजिम मेला में उमड़ी भीड़

श्रीकंचनपथ न्यूज

राजिम। माघी पुन्नी मेला के पांचवे दिन की रविवार को भारी भीड़ रही। मेला में इस बार सड़कों की चैड़ाई बढ़ा दी गई है। आस्था धर्म एवं आध्यात्म का संगम धरा में श्रद्धालुगणों का सुबह से ही आना जाना शुरू हो गया था। रविवार छुट्टी का दिन होने के कारण आस्था का सैलाब उमड़ गई थी। मीना बाजार क्षेत्र में खचाखच भीड़ देखने को मिली। दुकानों में सामानों की बिक्री खूब हुई।

आकाश, ब्रेक डांस, टोराटोरा, डिजनी लैण्ड, क्राफ्ट बाजार, मौत का कुंआ सहित पूरे मेला मैदान दुकाने सजी हुई है। जिस पर मेलार्थी जरूरत के सामनों को खरीद किया तथा खाद्य पदार्थ वाले स्टॉल में स्वादिश्टि व्यंजनों का आनंद भी ले रहे थे। कहना होगा कि मेला मैदान में अलग-अलग गलियां हैं और इस तरह से 3 किलोमीटर का फासला यहीं से तय करना पड़ रहा है। यहां से सीधे चलते हुए संगम में लंबे चैड़े वर्गाकार क्षेत्रफल में फेले मेला का स्वरूप आज अपने पूरे सबाब पर था।

मंदिरों में रही भीड़

राजिम के प्रमुख मंदिर भगवान राजीव लोचन, कुलेश्वरनाथ महादेव, लोमष ऋषि आश्रम, पवन दीवान आश्रम, सोमेश्वरनाथ महादेव, मांमा भांचा मंदिर, भूतेश्वनाथ महादेव मंदिर, राजिम भक्तिन माता मंदिर, साक्षी गोपाल, बाबा गरीबनाथ, लक्ष्मीनारायण मंदिर, दत्तात्रेय मंदिर, मां महामाया मंदिर, तुलजा भवानी मंदिर, गुरूघासीदास मंदिर आदि में दर्शन पूजन एवं अनुष्ठान करने के लिए लोग पहुंचते रहे और अपने मन की मुरादे श्रद्धालुओं ने प्रकट की।

ओखरा खरीदने बारी का इंतजार किया

राजिम मेला के प्रमुख मिठाई ओखरा खरीदने के लिए लोगों ने अपने बारी का इंतजार करते रहे। यहां उड़ीसा से ओखरा लेकर व्यापारी पहुंचे हुए है। इनके अलावा देवभोग व अन्य क्षेत्रों से भी आये हुए है। भीड़ बढ़ने के साथ ही खरीददारी भी जमकर हुई। आज रविवार को उनके लिए भी संडे फनडे रहा।

संगम नदी में स्नान किया

प्रतिदिन संगम नदी में बड़ी संख्या में श्रद्धालुगण स्नान कर रहे है। माघ पुर्णिमा में प्रथम स्नान हुआ। दूसरा स्नान जानकी जयंती 24 फरवरी को किया जायेगा तथा तीसरा स्नान महाशिवरात्रि के अवसर पर 1 मार्च को होगा। नदी की पवित्रता एवं संगम का महत्व पुराणों में भी वर्णित है। दूर-दराज से आने वाले श्रद्धालु संगम के पवित्र जल को देखते ही अपने आप को नहीं रोक पाते और डुबकी लगाने आतुर हो जाते है। प्रदेश सरकार के द्वारा दो शाही स्नान कुंड भी बनाया गया है। इनके अलावा यहां अलग-अलग घाट है जिसमें श्रद्धालुगण दिन प्रतिदिन पुण्य लाभ अर्जित कर रहे है।

मुख्यमंच के दर्षक दीर्घा हो गये फूल

यहां प्रतिदिन मुक्ताकाषी सांस्कृतिक मंच पर प्रदेश के नामचीन कलाकारों के सांस्कृतिक कार्यक्रम हो रहे है जिसे देखने के लिए दर्शक शाम 5 बजे से ही डट रहे हैं। दर्शक दीर्घा की कुर्सीयां भरी रहती है। इनके अलावा यू-ट्यूब, फेसबुक आदि माध्यमों से भी लोग कार्यक्रम का लुफ्त उठा रहे है।

सल्हाईटोला गौठान में स्व-सहायता समूह विकसित कर रहा ड्रैगन फ्रूट का बगीचाः रोपे एक हजार पौधे

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की मंशा के अनुरूप छत्तीसगढ़ शासन की महत्वाकांक्षी सुराजी ग्राम योजना के तहत् निर्मित गौठानों को रूरल इंडस्ट्रियल पार्क के रूप में विकसित किया जा रहा है।

गांवों के मवेशियों के डे-केयर सेंटर के रूप में गांव-गांव में बनाए गए गौठनों में विभिन्न आजीविकामूलक गतिविधियों का संचालन कर गौठान को ग्रामीण औद्योगिक पार्क के रूप में विकसित किया जा रहा है। ग्रामीणों को उनके गांव में ही आजीविका के साधनों से जोड़कर उन्हें रोजगार और आय का जरिया उपलब्ध कराना रूरल इंडस्ट्रियल पार्क विकसित करने का उद्देश्य है। ग्रामीणों को लाभप्रद रोजगार से जोड़ने के लिये गौठनों में अनेक नवाचार किए जा रहे हैं। इसी कड़ी में बालोद जिले के आदिवासी विकासखण्ड डौण्डी के ग्राम सल्हाईटोला में निर्मित गौठान में नवाचार के रूप में भगवती स्व-सहायता समूह की 10 महिलाओं द्वारा वर्तमान में 01 हजार नग ड्रैगन फ्रूट के पौधे का रोपण किया गया है, जिससे आगामी वर्ष में अच्छी आय की उम्मीद है। ग्रामीणों द्वारा विभिन्न आजीविकामूलक गतिविधियों के संचालन से इस गौठान को ग्रामीण औद्योगिक पार्क का स्वरूप मिल रहा है। सल्हाईटोला के गौठान में विभिन्न आजीविकामूलक गतिविधियों में ग्राम के स्व-सहायता समूहों के लगभग 109 महिला एवं पुरूष जुड़े हुए हैं।

स्व-सहायता समूह वर्मी-कम्पोस्ट के निर्माण के साथ-साथ मत्स्य पालन, कुक्कुट पालन, दोना-पत्तल निर्माण, राईस मिल संचालन, मशरूम उत्पादन, सब्जी उत्पादन जैसी विभिन्न गतिविधियों से जुड़े हैं।

वर्मीकम्पोस्ट तैयार कर रहे 2 समूह को 73 हजार रुपए, मछली पालन करने वाले समूह को 40 हजार रुपए की आमदनी अब तक हुई है। मुर्गी पालन करने वाले समूह को हर 45 दिन में लगभग 30 से 40 हजार रुपए की आमदनी हो रही है। गौठान में एक समूह द्वारा फलदार वृक्षों की नर्सरी लगाई गई है।

राखी में गोठान मेला सह-कृषक संगोष्ठी का आयोजन

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। बेमेतरा जिले के राखी गोठान में 21 फरवरी को गोठान मेला सह-कृषक संगोष्ठी का आयोजन कृषि एवं जल संसाधन मंत्री रविन्द्र चौबे की विशेष मौजूदगी में होगा। इस मौके पर मंत्री चौबे राखी गोठान में केला तना रेशा उत्पादन इकाई का शुभारंभ करेंगे। बेमेतरा जिले के ग्राम पंचायत मही-दही के आश्रित गांव भैसामुड़ा के गोठान में 21 फरवरी को ही दाल प्रसंस्करण इकाई की शुरूआत होगी। राखी में गोठान मेला सह-कृषक संगोष्ठी का आयोजन पूर्वान्ह 10:00 बजे से संध्या 5:00 बजे तक किया जाएगा। कृषि विभाग, कृषि विज्ञान केन्द्र बेमेतरा, जनपद पंचायत साजा एवं उन्नति कृषक उत्पादक सहकारी समिति साजा के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस कार्यक्रम में कृषकों एवं ग्रामीणों से सहभागी होने की अपील की गई है।

यहां यह उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की मंशा के अनुरूप गोठानों को आजीविका का केन्द्र बनाने तथा ग्रामीणों को रोजगार उपलब्ध कराने के लिए गोठानों में वृहद पैमाने पर आयमूलक गतिविधियां संचालित की जा रही हैं। गोठानों में गोधन न्याय योजना के अंतर्गत खरीदे जा रहे गोबर से कम्पोस्ट खाद बनाने के साथ ही अन्य उत्पाद तैयार किए जा रहे हैं। ग्रामीण अर्थव्यवस्था एवं व्यवसाय को गति देने के लिए अब गोठानों में कृषि एवं लघु वनोपज के प्रसंस्करण की इकाईयां भी तेजी से स्थापित की जा रही हैं। इसी कड़ी में बेमेतरा जिले के राखी गोठान में केला तना रेशा प्रसंसकरण तथा भैसामुड़ा गोठान में दाल प्रसंस्करण इकाई स्थापित की गई है। जिसका शुभारंभ 21 फरवरी को कृषि मंत्री रविन्द्र चौबे करेंगे।

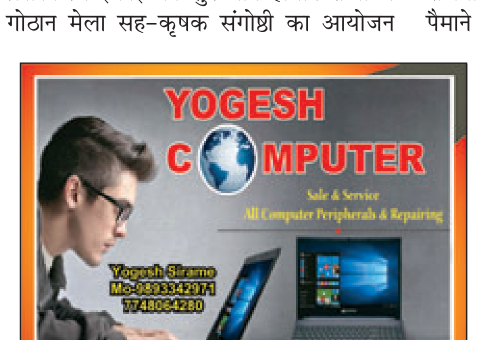

खास-खबर

नंबर प्लेट बदलकर ट्रक को पेंट किया, फिर भी पुलिस से नहीं बचे

रायपुर (ए)। रायपुर से ट्रक में सरिया लोड कर मध्यप्रदेश के लिए निकले ट्रक चालक ने पूरी योजना से काम किया। सरिया लोड होने के बाद उसने ट्रक का नंबर बदल दिया। मध्यप्रदेश पहुंचने के बाद उसने सरिया को खेत में छिपा दिया। ट्रक को पेंट कर फिर से नए ग्राहक ढूंढने में जुटे चालक को पुलिस ने अंततः पकड़ ही लिया। पुलिस के अनुसार, आरोपितों में रीवा के कमला शंकर उर्फ मुन्नाा उर्फ कौशल विश्वकर्मा और राज बहौर, सीधी मध्यप्रदेश हैं। पुलिस ने बताया कि ये दोनों पूर्व से ही घटना करने के उद्देश्य से ग्राम बेमता के पास कुछ सरिया को उतारकर खेत में छिपा दिए। इन्होंने ट्रक का नंबर प्लेट भी बदल दिए और बाकी सरिया को खाम घाटी थाना मझौली के जंगल में छिपा दिए। साक्ष्य छिपाने की नियत से ट्रक में पेंट कराकर पुनः अलग फर्जी नंबर का स्टीकर लगा कर सतना जाकर नए शिकार की तलाश कर रहे थे। आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से चोरी की 21 लाख 66 हजार रुपए का 35,110 टन सरिया जब्त किया है। प्रार्थी उमेश पटेल ने नौ फरवरी को थाना उरला में रिपोर्ट दर्ज करवाई थी। प्रार्थी ने बताया कि ग्रेवेटी फेयरो प्रायवेट लिमिटेड कन्हेरा रोड उरला से कृष्णा कन्ट्रक्शन नरसिंहपुर मध्यप्रदेश का लोहा लेकर निकले थे। ट्रक के चालक कौशल विश्वकर्मा एवं उसके साथी राज बहौर यादव द्वारा 21 लाख 66 हजार 323 रुपये के सरिया को कृष्णा कंस्ट्रक्शन नरसिंहपुर मप्र न पहुंचाकर अमानत में खयानत कर गबन कर दिया।

अज्ञात वाहन ने सीआइएसएफ जवान को मारी ठोकर, मौत

भिलाई। एक अज्ञात वाहन की चपेट में आने से बाइक सवार सीआइएसएफ जवान की मौत हो गई। आरोपित वाहन चालक ने जवान को जामगांव आर से उतई मार्ग पर ग्राम कुम्हली के पास अपनी चपेट में ले लिया था। जवान को गंभीर हालत में अस्पताल पहुंचाया गया था। जहां डाक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया था। पुलिस ने आरोपित वाहन चालक के खिलाफ गैर इरादतन हत्या की धारा के तहत प्राथमिकी दर्ज की है। पुलिस ने बताया कि घटना बीते 15 फरवरी की है। ग्राम चावड़ी थाना चारामा जिला कांकेर निवासी भूपेंद्र कुमार दर्रो (26) सीआइएसएफ में पदस्थ है। वो घटना के दिन अपनी बाइक जामगांव आर की तरफ से उतई की ओर आ रहा था। रास्ते में ग्राम कुम्हली के पास मेन रोड पर किसी अज्ञात वाहन ने उसे अपनी चपेट में ले लिया। हादसे में उसके सिर और शरीर के अन्य हिस्सों में गंभीर चोट लगी है। उसे पाटन के शासकीय अस्पताल पहुंचाया गया। जहां डाक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। अस्पताल से सूचना मिलने के बाद पाटन पुलिस ने अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की है।

खड़े ट्रेलर का टायर और हाइड्रोलिक जैक चोरी करने वाले गिरफ्तार

भिलाई। ट्रांसपोर्ट नगर में खड़े एक ट्रेलर के टायर और हाइड्रोलिक जैक चोरी करने वाले आरोपित को पुरानी भिलाई पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोपित के पास से चोरी का सामान जब्त किया गया है। उसके खिलाफचोरी की धारा के तहत कार्रवाई कर जेल भेजा गया है। पुलिस ने बताया कि वैशाली नगर निवासी शिकायतकर्ता सुरेंद्र सिंह ने चोरी की प्राथमिकी दर्ज कराई थी। शिकायतकर्ता ने 17 फरवरी को अपनी ट्रेलर को एनडीआरएल ऑफिस के पास ट्रांसपोर्ट नगर में खड़ा किया था। अगली सुबह वो वहां पहुंचा तो ट्रेलर के पीछे के चार टायर, हाइड्रोलिक जैक और जैक राड गायब था।

असामाजिक तत्वों की अराजकता

रायपुर आक्सीजोन में पत्थरों के 25 खंभों को गिराकर तोड़ा

रायपुर (ए)। राजधानी रायपुर के कलेक्टोरेट के पीछे करोड़ों की लागत से तैयार आक्सीजोन की सुरक्षा फिर से तार-तार हो गई। आधी रात को असामाजिक तत्वों ने आक्सीजोन के प्रवेश द्वार वाले हिस्से में किए गए सुंदरीकरण स्थल पर जमकर उत्पात मचाया। यहां लगाएं गए पत्थरों के 25 से भी ज्यादा नक्साशी किए गए पिलर को गिराकर तोड़फोड़ कर दिया। इसके साथ ही पत्थरों के दूसरी कलाकृतियो को भी भारी नुकसान पहुंचाया है।

नगर निगम और स्मार्ट सिटी को लाखों का नुकसान

इस तोड़फोड़ से नगर निगम और स्मार्ट सिटी को लाखों का नुकसान हुआ है। चौंकाने वाली बात यह है कि आक्सीजोन क्षेत्र में सीसीटीवी कैमरे लगाए गए है लेकिन अब तक जिम्मेदार अधिकारी तोड़फोड़ करने वालों का पता नही लगा पाए है। यही नही अब तक न तो जिला प्रशासन,नगर निगम, स्मार्ट सिटी या फिर वन विभाग की ओर से पुलिस थाने में तोड़फोड़ की कोई शिकायत दर्ज नही कराई गई है।

तोड़फोड़ करने वालों पर कार्रवाई नहीं

महापौर एजाज ढेबर ने आक्सीजोन में किए गए तोड़फोड़ की जानकारी मिलने पर तोड़फोड़ करने वालों का पता लगाकर उनके खिलाफ कार्रवाई करने की बात कही है। वहीं नेता प्रतिपक्ष मीनल चौबे ने आरोप लगाया है कि सरकारी संपत्तियों की सुरक्षा नहीं की जा रही है। उनका आरोप है कि निगम प्रशासन पहले निर्माण करने में लाखों का खर्च करता है फिर तोड़फोड़ होने पर मरम्मत के नाम पर पैसे बर्बाद करता है। तोड़फोड़ की घटना होने के बाद भी कोई कार्रवाई न होना काफी चिंताजनक है।

पहले भी लोहे के ग्रिल चोरी हुए थे

राजधानीवासियों को शुद्ध वातावरण देने के लिए करीब तीन साल पहले कलेक्टोरेट के पीछे आक्सीजोन का निर्माण किया गया है। निर्माण के दो महीने भी नहीं हुए थे कि असामाजिक तत्वों ने उसकी दुर्गति करना शुरू कर दिया था।दो साल पहले खालसा स्कूल की तरफलगाए गए गेट में लाखों रुपये के भाले के साथ इएसी कालोनी की ओर केनाल लिकिंग रोड के गेट के बाहर लगे जाली और ग्रिल चोर ले उड़े थे। कालोनीवासियों ने निजी सुरक्षा कंपनी की जगह पुलिस या होमगार्ड को आक्सीजोन की सुरक्षा की जिम्मेदारी सौंपने की कई बार मांग की ताकि वहां पर शाम ढलते ही सक्रिय असामाजिक तत्वों की धमाचौकड़ी बंद हो सके।

जीप और कार की टक्कर में एक युवक की मौत पांच गंभीर

रायपुर (ए)। राजधानी से लगे अभनपुर के सातापारा के पास सड़क हादसा हो गया है। महिंद्रा जीप और ब्रेजा कार में भिड़ंत हुई है। जीप सवार एक व्यक्ति की मौके पर मौत हो गई है। वहीं पांच लोग गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। घायलों को आनन-फानन में अस्पताल में भर्ती कराया गया है। अभनपुर थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

मिली जानकारी के अनुसार रायपुर पंडरी लोधिपारा इलाके के छह युवक अंगार मोती गंगरेल डेम घूमने जा रहे थे। इस दौरान अभनपुर के सातापारा में तेज रफ्तार कार और जीप की भिड़ंत हो गई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि शंकर उर्फतुलसी उम्र 33 वर्ष की मौके पर ही मौत हो गई। साथ ही पांच युवक गंभीर रूप से घायल हो गए है। सभी घायलों को आनन-फानन में उपचार के लिए अभनपुर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया है।

ओपन जीप में थे युवक

धमतरी की ओर से आ रही ओपन जीप और कार आपस मे भीड़ गए। इसमें एक युवक की मौत हो गई है। अन्य घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पूरे मामले में कार्रवाई की जा रही है।

कुछ दिन पहले छह महिलाओं की गई थी जान

अभनपुर के केंद्री इलाके में कुछ दिन पहले खतरनाक सड़क हादसे में छह महिलाओं की मौत हो गई थी। पांच घायल हो गए थे। सभी भिलाई निवासी थे।

शराबी पति की अति, चावल बेचकर पी गया शराब, अपराध दर्ज

भिलाई। ग्राम पिटौरा निवासी एक महिला ने अपने पति के खिलाफ मारपीट की प्राथमिकी दर्ज कराई है। आरोपित पति शराब पीने का आदी है। वो कोई काम नहीं करता है। महिला की कमाई से ही घर चलता है। आरोपित ने 17 फरवरी को चावल बेचकर शराब पी ली। इसके बाद वो अपने घर आया। उसने अपनी पत्नी से कहा कि शराब पीने के लिए उसे और पैसे चाहिए। इसलिए वो महिला स्व सहायता समूह का लोन लेकर उसे शराब पीने के लिए रुपये दे। महिला ने इसके लिए इन्कार किया तो आरोपित पति ने उससे मारपीट की। शिकायत पर नंदिनी पुलिस ने आरोपित के खिलाफ गाली गलौज, मारपीट और जान से मारने की धमकी देने की धाराओं के तहत प्राथमिकी दर्ज की है।

पुलिस ने बताया कि ग्राम पिटौरा निवासी शिकायतकर्ता अतीसा गायकवाड़ ने अपने पति दीपक गायकवाड़ के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई है। पुलिस ने बताया कि 17 फरवरी की शाम करीब छह बजे आरोपित शराब के नशे में घर पहुंचा। वो पहले ही घर में रखे चावल को बेचकर शराब पी चुका था।

छत्तीसगढ़ में तीन फर्जी आयुर्वेद डाक्टर पकड़ाए दुर्ग, गंडई और मुंगेली से सामने आए मामले

रायपुर (ए)। प्रदेश के निजी चिकित्सा सेवाओं में फर्जी डाक्टरों की घुसपैठ से निपटना स्वास्थ्य विभाग के लिए चुनौति बन गया है। जहां बिना लाइसेंस के अस्पताल और फर्जी डाक्टर पकड़ में आने के बाद भी खड़ल्ले से अवैध अस्पताल व क्लीनिक चला रहे हैं।

बिना डिग्री के चिकित्सा पेशा

ऐसे ही मामले में राज्य आयुर्वेद चिकित्सा बोर्ड ने दुर्ग, बोरसी के गोविंद राम चंद्राकर, राजनांदगांव जिले के गंडई के अजय कुमार जंघेल व मुंगेली में प्रैक्टिस कर रहे फर्जी डाक्टरों पर कार्रवाई की है। अधिकारियों ने बताया कि तीनों आरोपितों के पास बीएएमएस की फर्जी डिग्री पाई गई। यानी उन्होंने कभी डाक्टरी की पढ़ाई ही नहीं की। और सालों से प्राइवेट क्लीनिक संचालित कर प्रैक्टिस कर रहे हैं।

उच्च स्तरीय टीम कर रही है जांच

मामले में उच्च स्तरीय जांच कमेटी बिठाई गई है, जल्द ही पुलिस कार्रवाई की जाएगी। कहा जा रहा है कि राज्य के प्राइवेट अस्पतालों व क्लीनिकों की जांच की जाए तो कई फर्जी बीएएमएस डिग्रीधारी झोलाझाप पकड़ में आएंगे।

राजधानी में 652 अस्पताल बिना लाइसेंस के

सीएमएचओ डा. मीरा बघेल ने बताया कि रायपुर में 652 निजी अस्पताल व क्लीनिक बिना लाइसेंस के अवैध संचालित हो रहे हैं। इसे लेकर नोटिस तो भेजा गया है, लेकिन इनके तरफ से लाइसेंस लेने अब तक पहल नहीं की गई है। विभाग अब इनपर 20-20 हजार रुपये जुर्माना व अस्पताल सील करने की बात कह रहा है। कहा जा रहा है कि कई अस्पतालों द्वारा कार्रवाई रूकवाने राजनीतिक पहुंच का फायदा उठाया जा रहा है। वहीं निरीक्षण करने वाले कुछ स्वास्थ्य अधिकारियों के सांठ-गांठ से अस्पताल कार्रवाई से बचे हुए हैं। बता दें प्रदेश में 1000 से अधिक अस्पताल व क्लीनिक बिना लाइसेंस संचालित हैं।

"फर्जी आयुर्वेद डिग्री से प्रैक्टिस कर रहे तीन डाक्टर पकड़ में आए हैं। इनके खिलाफ उच्च स्तरीय जांच समिति गठित कर कार्रवाई की जा रही है। इनके क्लीनिक संचालन को लेकर पुलिस और स्थानीय प्रशासन को सूचना देंगे। इनके लाइसेंस कैंसल कर क्लीनिक सील करेंगे और कानूनी प्रक्रिया के अंतर्गत पुलिस कार्रवाई होगी।"

-डा. संजय शुक्ला, रजिस्ट्रार, राज्य आयुर्वेद चिकित्सा बोर्ड

दुष्कर्म का आरोपित अनूपपुर से गिरफ्तार

भिलाई। एक युवती को शादी का झांसा देकर उससे दुष्कर्म करने वाले आरोपित को मोहन नगर पुलिस ने मध्यप्रदेश के अनूपपुर से गिरफ्तार किया है। आरोपित के खिलाफ दुष्कर्म की धारा के तहत कार्रवाई की गई है। पुलिस ने बताया कि वार्ड एक ठाडपायर पोस्ट खेदगांव अनूपपुर मध्यप्रदेश निवासी आरोपित देवेंद्र कुमार मांझी उर्फमिट्ठू (30) ने मोहन नगर थाना क्षेत्र की एक युवती को शादी का झांसा देकर उससे दुष्कर्म किया था। इसके बाद आरोपित ने शादी से इन्कार कर दिया था। घटना की शिकायत के बाद पुलिस ने आरोपित के खिलाफ दुष्कर्म की धारा के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई थी।

आदित्य ड्राई क्लीनर्स
Pick & Drop Service Available (Terms & Condition Applied)
98271-90875 99938-08453 75877-57239
सोफा पर्दा कारपेट सीटकवर लेदर जैकेट टेड्डी बियर शू
सभी प्रकार के कपड़ों का आधुनिक तकनीकी से ड्राईक्लीन किया जाता है।
Shop NO.-105, "A" Market, Sector-6, Bhilai (C.G.)

Authorised For : SOMANY Wall & Floor Tiles
All Size of Tiles, Granite and Sanitaries
SHRI BALAJI TILES
Krishna Talkies Road, SBI Building, Opp. Church, Risali, Bhilai-490006 Distt.-Durg (C.G.), Mo.-9518326808
E-mail:- balajitilescg@gmail.com

नये लुक एवं वैरायटी में सागौन लकड़ी द्वारा निर्मित
अरिहंत फर्नीचर शो रुम | नमन सेल्स फर्नीचर शो रुम
20% डिस्काउंट के साथ उपलब्ध
आजाद मार्केट, रिसाली (भिलाई मसाला उद्योग के पीछे), भिलाई, मो. 9424151009, 9301188428

दुल्हन बैंगल्स & फैंसी
RUPESH KUMAR Mob.-9840760388 7987759030
Specialist : Wedding mix match bangles, Glass bangle, Plastic bangle. Saree pin, Bindi, Rubber Band. Bracelet, Butter Fly, Ear ring and many more
कृष्णा टाकिज रोड, विजय भवन के पास, रिसाली, भिलाई
जलाराम मिष्ठान के सामने, इंदिरा मार्केट, स्टेशन रोड, दुर्ग (छ.ग.)

Galaxy Granite WholeSaler & Retailer
रायपुर से कम दामों में
All Type Of Tiles : Wall Tiles, Floor Tiles, Granite Sanitary & Null Fitting
सभी प्रकार के टाइल्स और ग्रेनाइट मिलने का एक मात्र स्थान
कोई भी टाईल्स लेने से पहले एक बार अवश्य पधारे...
Raja Steel Traders, Krishna Talkies, Road, Side of ZEE Maha Sale, Risali, Bhilai - 490006
K.K. Soni - 77479-88643, 9109509095

राकेश ट्रेडर्स
विगत 6 वर्षों से यह दुकान पानी टंकी के सामने स्थानांतरित हो गई है।
Dealers
Marbles, Grinight, Black Stone, Nano & Double Charge Verified Tiles Digital Wall & Floor Tiles Cement Coloru etc.
रायपुर रेट पर माल उपलब्ध | Rakesh Sahu 9302443750, 9907127357
Krishna Talkies Road, Beside Hariom Furniture, Risali, Bhilai - 490006

MemSaheb Ladies wear
JOCKEY JULIET
Shop No. 57, A Market, Sec-6 Bhilai
Om Prakash 9926004441, 0788-2284341

भिलाई मसाला उद्योग
शुद्ध कुटे हुए मसाले,पापड़, अचार, बड़ी, जड़ी-बूटी, जचकी का सामान इत्यादि
128, ए- मार्केट, सेक्टर-6, भिलाई, फोन. 2284508, मो. 9826137766

House of tiles
Complete Range of Tiles, Marble And Granite in One Shop
KESWANI TILSE
कृष्णा टाकिज रोड, राजा स्टील के सामने, रिसाली, भिलाई (छ.ग.)
Mo. _- 82349 - 21000

मिस एंड मिसेस लेडिस वेयर
• गाऊन • ब्रा. पेन्टी • नाईटी • ब्लाउज
सभी प्रकार के अंडरगारमेंट्स की विशाल रेंज
शॉप नं-113, सेक्टर-6, ए मार्केट भिलाई

न्यू अप्सरा साड़ी सेन्टर
घाघरा, चुन्नी, कुर्ती, डिजाइनर साड़ियां सलवार सूट
सेल्स गर्ल की आवश्यकता है
शॉप 151, ए-मार्केट, सेक्टर-6, भिलाई, फोन-2284063

माँ दुर्गा ज्वेलर्स
सोने एवं चांदी के आभूषणों विक्रेता
उचित ब्याज में गिरवी रखी जाती है
शॉप नं. 69, सी-मार्केट सेक्टर-6, भिलाई
मो. 9424124911

भारतीय बैग हाउस
फैंसी स्ट्राली, स्कूल बैग, ऑफिस बैग, सफर बैग, लेपटॉप बैग, फैंसी छतरी, रेनकोट इत्यादि के विक्रेता
कृष्णा टाकीज रोड, बैंक ऑफ बडौदा के बाजू में रिसाली भिलाई, संजय गुप्ता: 93003-77572

खास - खबर

रामानंद मौर्य बनें कुशवाहा समाज के अध्यक्ष

भिलाई। मौर्य कुशवाहा समाज अशोक चौक डबरापारा खुर्सीपार में निर्वाचन हुआ। जिसमें वैशाली नगर जोन के अध्यक्ष व राजीव नगर वार्ड के पार्षद रामानंद मौर्या समाज के अध्यक्ष चुने गए।

अध्यक्ष पद के लिए दो उम्मीद्वार थे। समाज के लोगों ने स्वफूर्त मतदान कर रामानंद मौर्या को अध्यक्ष चुने। समाज में अरुण मौर्य, आरके सिंह,एस एन वर्मा, अशोक वैद्य, माधव कुशवाहा,रामानुज वर्मा, राजकिशोर, आरसी मौर्य, अनिल सिंह, अशोक सिंह, रामानुज वर्मा, अनिल सिंह कुशवाहाख् सुभाषचंद्र मौर्य, नंदकुमार मौर्य, शिव कुमार मौर्य शेषनाथ मौर्य, आशीष कुशवाहा, हरीश सिंह, हरे राम प्रसाद, अजय कुशवाहा, रामचंद्र सिंह, प्रभुनाथ, सुदामा सिंह, चंदा मौर्या, शिवप्रसाद, ललन सिंह, उपेंद्र कुशवाहा और रामकुमार मौर्य समेत समाज के सभी सदस्यों ने मतदान किया। अध्यक्ष रामानंद शपथ लेने के बाद कार्यकारिणी की घोषणा 22 फरवरी को करेंगे। कार्यकारिणी में महासचिव, उपाध्यक्ष, कोषाध्यक्ष, सचिव, सह सचिव समेत अन्य पदों की घोषणा की जाएंगी।

राम जन्मोत्सव समिति की बैठक सम्पन्न

भिलाई। राम जन्मोत्सव समिति जिला भिलाई की बैठक को सेक्टर- 9 बंगले में आहूत की गई। जिसमें प्रमुख रूप से समिति के संरक्षक प्रेमप्रकाश पाण्डेय, प्रदेश अध्यक्ष रमेश माने, प्रदेश महामंत्री बुद्धन ठाकुर, कोर ग्रुप के सदस्य तेजबहादुर सिंह, एन्जन लाल चन्द्राकर, के.के.तिवारी, योगेन्द्र पाण्डेय, रविन्द्र भगत, मुख्य शाखा के जिला अध्यक्ष सेवक राम साहू, युवा शाखा के अध्यक्ष मनीष पाण्डेय की उपस्थिति थे। इस बैठक में निर्णय लिया गया है कि पिछले 2 वर्षो से इस वैश्विक महामारी कोरोना के कारण राम नवमी का कार्यक्रम नहीं किया गया था परन्तु इस वर्ष समिति के समस्त पदाधिकारियों द्वारा निर्णय लिया गया है कि इस वर्ष 10 अप्रैल दिन रविवार को होने वाले राम नवमी का कार्यक्रम भव्य रूप से किया जायेगा। बैठक में आयोजन को व्यापक रूप देने के लिए प्रखण्ड स्तर से मन्दिर समिति तक की बैठक का आयोजन करने हेतु सभी दस प्रखण्डो के अध्यक्ष एवं महामंत्रीयों का बैठक कर सामाजिक एवं धार्मिक संगठन को राम नवमी की विशाल भव्य यात्रा में आमंत्रण कर जोड़ने को निर्देशित किया गया तथा जिसमें बैठकों की तारीख एवं दिन निश्चित किया गया। जिसमें 22 फरवरी को पूर्व प्रखण्ड, 25 फरवरी को पश्चिम, वैशालीनगर एवं केम्प प्रखण्ड, 26 फरवरी को रिसाली प्रखण्ड, 27 फरवरी को कुम्हारी, भिलाई तीन चरोदा, खुर्सीपार एवं सुपेला में बैठक का आयोजन किया जाएगा।

माघी पूर्णिमा सड़क दुर्घटना में मृत 6 महिलाओं को बंग समाज ने दी श्रद्धांजली

भिलाई। माघी पूर्णिमा के दिन राजिम पुन्नी मेला जाते वक्त सड़क दुर्घटना में भिलाई के बंग समाज के महिला सदस्यों के निधन पर सेक्टर 6 बंगाली काली बाड़ी समिति एवं छत्तीसगढ़ बंगाली मित्र समाज द्वारा उनके निधन पर शोक सभा सेक्टर 6 कालीबाड़ी प्रांगण में आयोजित कर उनकी आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की गई। मृतकों के परिवारों के प्रति संवेदना प्रकट करते हुए घायलों के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना माँ काली के सामने की गई। सेक्टर 6 कालीबाड़ी समिति के अध्यक्ष प्रदीप राय के अध्यक्षता में शाम आयोजित शोक सभा में छत्तीसगढ़ बंगाली मित्र समाज के प्रदेशाध्यक्ष सुमन शील, रिसाली नगर निगम के एमआईसी सदस्य अनूप डे, कोलकाता की रविंद्र संगीत की पॉप सिंगर श्रीमती जबा मुखर्जी, सैकड़ों महिला की सदस्यों की उपस्थिति में दो मिनट का मौन रखकर मृतकों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए मृतकों के परिवारों के प्रति संवेदना प्रकट की।

वर्षों से मकान बनाने का सपना देख रहे लोगों को मिला भवन अनुज्ञा प्रमाण पत्र

श्रीकंचनपथ न्यूज

विधायक देवेंद्र यादव एवं महापौर नीरज पाल ने हितग्राहियों को दिया नक्शा और भवन अनुज्ञा, मकान बनाने का रास्ता हुआ आसान

भिलाई। नगर पालिक निगम भिलाई क्षेत्र अंतर्गत अब मकान बनाने का सपना देख रहे लोगों के लिए इसकी राह आसान हो गई है। आज मॉडल टाउन वार्ड क्रमांक 3 के उत्कल उद्यान में जुनवानी, खमरिया, मॉडल टाउन, नेहरू नगर, कोसा नगर, कृष्णा नगर, इंदिरा नगर एवं लक्ष्मी नगर के 114 हितग्राहियों को प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत मोर जमीन मोर मकान के तहत स्वीकृत पात्र लोगों को विधायक देवेंद्र यादव, महापौर नीरज पाल एवं सभापति गिरवर बंटी साहू ने भवन अनुज्ञा प्रमाण पत्र एवं नक्शा प्रदान किया। अब यह हितग्राही अपने आवास के लिए निर्माण कार्य को प्रारंभ कर पाएंगे। काफी समय से इन हितग्राहियों को इस पल का बेसब्री से इंतजार था, कि कब उनका नाम मकान बनाने के लिए सूची में शामिल हो सके और कब उन्हें अपने सपनों का घर बनाने के लिए भवन अनुज्ञा मिल सके। आज इन 114 हितग्राहियों का सपना साकार करते हुए विधायक और महापौर ने इन्हें भवन अनुज्ञा वितरण कर सभी को मकान निर्माण कार्य प्रारंभ करने की बधाई और शुभकामना दी। इस अवसर पर मुकेश चंद्राकर विशेष रूप से मौजूद रहे। कार्यक्रम की रूपरेखा तैयार करने व हितग्राहियों की उपस्थिति सुनिश्चित कराने के लिए महापौर परिषद के सदस्य संदीप निरंकारी, स्थानीय पार्षद हरिओम तिवारी, पार्षद योगेश साहू इस आयोजन के प्रमुख भागीदार रहे। हितग्राहियों को भवन अनुज्ञा दिलाने विधायक और महापौर सहित इन सभी का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। वहीं निगम आयुक्त प्रकाश सर्वे के निर्देशन पर भवन अनुज्ञा विभाग की प्रभारी कार्यपालन अभियंता विनीता वर्मा, प्रभारी सहायक अभियंता नितेश मेश्राम, उप अभियंता दीपक देवांगन ने विभागीय प्रक्रिया पूर्ण करने अपनी जिम्मेदारी का बखूबी निर्वहन किया है। प्रधानमंत्री आवास योजना का कार्य देख रही प्रभारी कार्यपालन अभियंता ने बताया कि अनुदान के तहत 1.5 लाख केंद्र की राशि, 0.79 लाख राज्य की राशि एवं 0.86 लाख हितग्राही अंशदान इस प्रकार कुल 3.15 लाख का एस्टीमेट मकान निर्माण के लिए तैयार होता है। आसान तौर पर केंद्र का 45, राज्य का 25 और हितग्राही का 30 हिस्सा मकान निर्माण के लिए जरूरी होता है, जिसके पैसे से मकान निर्माण किया जाता है। मकान निर्माण की शुरुआत करने फाउंडेशन लेवल पर प्रथम किस्त, छज्जा लेवल पर द्वितीय किस्त, ढलाई लेवल पर तृतीय किस्त और मकान पूर्ण होने पर चतुर्थ व अंतिम किस्त के रूप में अनुदान की राशि हितग्राही को प्रदाय की जाती है। मकान बनाने की राह देख रहे लोगों के चेहरों पर आज अलग ही मुस्कान नजर आ रही थी। वहीं एक 80 वर्षीय बुजुर्ग महिला ने अपने परिवार की ओर से बड़े ही उत्साह पूर्वक भवन अनुज्ञा प्राप्त किया, कार्यक्रम में सभी हितग्राही उत्साहित नजर आए।

गरीबों की रोज़ी रोटी छीनना उचित नहीं

अतिक्रमण हटाने से पहले व्यवस्थापन करें अधिकारी : वोरा

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। वरिष्ठ कांग्रेस विधायक अरुण वोरा ने दुर्ग नगर निगम के अधिकारियों से कहा है कि फुटपाथ पर व्यवसाय करने वाले लोगों को हटाने से पहले व्यवस्थापन करें। जीई मार्ग के उन्नयन और सौंदर्यीकरण कार्य के कारण रोड के किनारे व्यवसाय करने वालों को हटाना जरूरी है लेकिन इसके लिए गरीबों की रोजी-रोटी छीना जाना उचित नहीं है। शहर में उपयुक्त स्थान पर ऐसे सभी व्यवसाइयों को व्यवस्थापन करने प्लान बनाया जाए। वोरा ने कहा कि इसके बाद ही फुटपाथ पर व्यवसाय करने वालों को हटाने की कार्रवाई शुरू करें।

आज वोरा निवास पहुंचकर फुटपाथ पर व्यवसाय करने वाले दर्जनों लोगों ने कहा कि वे छोटा-मोटा व्यवसाय कर परिवार का जीवन यापन करते हैं। निगम प्रशासन द्वारा अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की जा रही है। व्यवसाइयों ने कहा कि बिना व्यवस्थापन किये हटाने की कार्रवाई से उनके समक्ष रोजी रोटी की समस्या पैदा हो जाएगी। रोजगार छिन जाने पर वे अपने परिवार का पालन पोषण नहीं कर पाएंगे।

वोरा ने इस मामले में निगम अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा है कि विस्थापन से पहले व्यवस्थापन की कार्रवाई करें, ताकि छोटे व्यवसाइयों की रोजी रोटी प्रभावित न हो। वोरा ने कहा कि फुटपाथ से फुटकर व्यवसाइयों के अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई से पहले निगम अधिकारी व्यवस्थापन के लिए पुख्ता प्लान बनाएं। निगम अधिकारी उपयुक्त स्थल पर व्यवसाइयों को व्यवस्थापित करें, ताकि उनकी रोजी-रोटी चलती रहे।

विनोद नायर ने भिलाई का किया नाम रौशन

श्रीकंचनपथ न्यूज

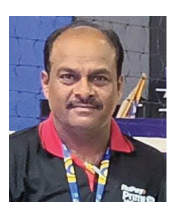

भिलाई। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र के नगर सेवाएं विभाग के एनफोर्समेंट में कार्यरत प्रतिभाषाली खिलाड़ी विनोद नायर ने अपने खेल प्रतिभा से पुनः भिलाई का नाम रौषन किया है। विनोद नायर का चयन फरवरी माह में हैदराबाद में आयोजित प्रतिष्ठित प्राइम वॉलीबॉल लीग टूर्नामेंट में रेफ्री के रूप में किया गया है। यह टूर्नामेंट 5 फरवरी से 27 फरवरी, 2022 के मध्य हैदराबाद में आयोजित है।

नायर ने एनआईएस वॉलीबॉल कोच रहे है साथ ही उन्होंने इंटरनेषनल व नेषनल प्रतियोगिताओं में रेफ्री के रूप में योगदान देकर भिलाई को गौरवान्वित किया है। विदित हो कि विनोद नायर को छत्तीसगढ़ शासन द्वारा वॉलीबाल मैच के इंटरनेषनल रेफ्री के रूप में उनके द्वारा दिए गए श्रेष्ठ योगदान के लिए वर्ष 2014 में वीर हनुमान सिंह अवार्ड से नवाजा गया। इसके अतिरिक्त नायर वर्ष 2014 में चीन में विश्व महिला चैम्पियनशिप के लिए एशियाई क्वालीफिकेषन टूर्नामेंट में ऑफिषियल के रूप में प्रतिभागिता की। थाईलैंड में 17वीं एशियाई सीनियर वूमेन वॉलीबॉल चैम्पियनशिप में भी अपनी भागीदारी दी। पुणे (महाराष्ट्र) में 5वीं एफआईवीबी मेन्स अंडर-21 वर्ल्ड वॉलीबॉल चैम्पियनशिप में तकनीकी अधिकारी के रूप में अपनी सेवाएं दी। छठी एशियाई यूथ गर्ल्स वॉलीबॉल चैम्पियनशिप में, विशाखापट्टनम में इंडो-पाक मेन्स वॉलीबॉल टेस्ट सीरीज में तथा कोलकाता में दूसरे कॉमन वेल्थ वॉलीबॉल चैम्पियनशिप (मेन) में भी रेफ्री के रूप में योगदान दिया है। इसी क्रम में विशाखापट्टनम में 13वीं वर्ल्ड मेन्स अंडर-21 वॉलीबॉल चैम्पियनशिप में तकनीकी अधिकारी के रूप में अपनी सेवाएं दी।

ओबीसी सर्वे में छूटे लोग भी शिविर में आवेदन कर सकते हैं

शिविर में मिले आवेदनों का किया गया भौतिक सत्यापन

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। शासन के आदेश पर नगर पालिक निगम आयुक्त हरेश मंडावी के निर्देश पर शहर सीमा क्षेत्रअंतर्गत छूटे हुए लोगों को राशन कार्ड एपीएल एवं बीपीएल परिवारों का राशन कार्ड बनाया जा रहा है। शिविर में हितग्राही इसका लाभ उठा रहे है। जिसमें छूटे हुए लोगों को राशन कार्ड बनवाने एवं पेंडिंग राशन कार्ड का निराकरण कराने के लिए हितग्राही आवदेन लेकर है।

शिविर पहुँच रहे है।ओबीसी सर्वे में छूटे लोग यहां भी शिविर में आवेदन कर सकते हैं।प्रभारी राजस्व अधिकारी नारायण यादव ने बताया कि आज शिविर में कुल 56 आवेदन प्राप्त हुए है। प्राथमिकता के 19 एवं एपीएल कार्ड के 37 आवेदन हितग्राहियों ने जमा किया है। निगम द्वारा नियमित समीक्षा के तहत भौतिक सत्यापन एवं पात्रता की जांच कर आगामी कार्यवाही की जाएगी।छग खाद्य एवं पोषण सुरक्षा अधिनियम 2012 एवं छग राशनकार्ड नियम 2016 के तहत नवीन राशनकार्ड जारी किए जाने के निर्देश के तहत शिविर वार्डों में लगाया जा रहा है। राशन कार्ड बनाने के लिए तथा लंबित आवेदन का शीघ्र निराकरण करने के साथ ही शिविर में नया एपीएल व बीपीएल राशनकार्ड शिविर में पहुँच रहे। यहां होगा शिविर: निगम सीमा अंतर्गत छूटे हुए परिवार का नवीन एपीएल, बीपीएल राशन कार्ड के लिए इन वार्डो में लगाया जाएगा शिविर:वार्ड 30,31,32,33 के लिए दिगम्बर जैन मंदिर,वार्ड 34,35,36, 37,38 के लिए मोहनलाल बाकलीवाल, गंजपारा,वार्ड 39 ,40,41,42, 43,44 के लिए कसारिडीह प्राथमिक शाला,वार्ड 45,46,47,48 में विवेकानंद भवन सभागार केंद्रीय जेल के सामने,वार्ड 49,50,51,52 में शासकीय प्राथमिक शाला बोरसी,वार्ड 53,54 में शासकीय प्राथमिक शाला पोटिया,वार्ड 55 में शासकीय प्राथमिक शाला पुलगांव के अलावा वार्ड 57,58 में शासकीय प्राथमिक शाला उरला में शिविर का आयोजन किया जाएगा।

गृहमंत्री ताम्रध्वज साहू पंचायत प्रतिनिधियों का पंचायत रत्न से किया सम्मान

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। दुर्ग ग्रामीण विधानसभा के अंतर्गत पंचायत रत्न सम्मान समारोह का आयोजन मिनाक्षी नगर के .डी. पब्लिक स्कूल में रखा गया। जिसमें दुर्ग ब्लॉक के 53 ग्राम पंचायत के सभी सरपंचों, सभी ग्राम पंचायतों के वार्डो के पंचो, उपसरपंच, जनपद पंचायत सदस्य जिला पंचायत सदस्यों लगभग 1000 से ज्यादा जनप्रतिनिधि को बारी बारी से प्रतीक चिन्ह भेंटकर मंत्री श्री साहू द्वारा सम्मानित किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत सरपँच संघ के अध्यक्ष मुकुंद पारकर ने पंचायती राज संग़ठन के बारे विस्तार ने जानकारी दिया। तत्पश्चात जिला पंचायत अध्यक्ष शालनी यादव ने मंत्री जी का धन्यवाद दिया इस तरह का आयोजन के लिये बधाई दी। स्वागत भाषण जितेंद्र साहू द्वारा दिया गया।

इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विधायक ताम्रध्वज साहू ने अपने विचार को बताया कहा कि मुंशीप्रेमचन्द की कहानी पंच परमेश्वर में गावों में पंचायतीराज व पंचो के महत्व को विशेष तौर से बताता गया है। आज भी गावों में कोई भी समस्या होता है तो गावों में पंचो के ही याद किया जाता है। महात्मा गांधी के ग्राम स्वराज व पूर्व प्रधान मंत्री राजीव गांधी के पंचायती राज की व्यवस्था में सरपंचों के साथ पंचो का भी महत्वपूर्ण स्थान है। इनके लिये कभी कोई सम्मान का आयोजन नही होता। इन्ही सब बातों को ध्यान में रखकर अपने क्षेत्र के पंचो का सम्मान किया सभी पंचो को पंचायत रत्न से नवाजा। आगे कहा कि पंचो के मुँह से परमेश्वर बोलता है सभी लोग गावो में समन्वय का वातावरण बनकर रखे गाव के प्रत्येक वर्ग के विचारों को समावेश करके पंचगण गावों के विकास की प्राथमिकता तय करे व सुव्यवस्थित विकास का खाका तैयार करे। गावों में अफवाह फैलाने वाले तत्वों से बचे।

उल्लेखनीय है कि स्वयं गृह मंत्री ताम्रध्वज साहू एक पंच से लेकर विधानसभा व दिल्ली के लोकसभा तक का सफर तय किया है। इसलिये वे ग्रामीण व्यवस्था में पंचो के महत्व को बहुत अच्छे से समझते है। केंद्र व राज्य के योजनाओं का क्रियान्वयन पंचायतो में पंचो के माध्यम से ही होता है। जनपद सदस्य गण जनपद उपाध्यक्ष झमित गायकवाड़, सरस्वती सेन, भाना ठाकुर, राकेश हिरवानी, लेखन साहू,मनीश चन्द्राकर, रूपेश देशमुख, दीपिका चन्द्राकर, भुनेश्वरी ठाकुर, नोहर साहू, ज्ञानेश्वर मिश्रा, हरेन्द्र देव, अजय वैष्णव, कृष्णा यादव, प्रीति वैष्णव, हीरामणि देशमुख, माहेश्वरी, योगिता बंजारे, टिकेश्वरी लाल देशमुख, डुमेश्वरी देशमुख, हेमकुमारी, बुध्वंतीन बाई, डोमन भारती, पंच ग्रामीण विकास की महत्वपूर्ण कड़ी है।

इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष शालनी यादव, माटी कला बोर्ड के अध्यक्ष बालम चक्रधारी, ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष नंद कुमार सेन, पूर्व जिला सभापति केशव बंटी हरमुख, जिला पंचायत कृषि सभापति योगिता चन्द्राकर, समाज सेवी हर्ष साहू , समस्त सरपँच गण नगपुरा भूपेन्द्र रिगरी, अंजोरा (ख) संगीता साहू (माखन साहू) बोरई, पद्मा साहू (डॉ. टीकम साहू) दमोदा, अश्वनी यादव खुरसुल, विक्टोरिया दिल्लीवार गनियारी, पुष्पा ठाकुर रसमड़ा, ममता साहू सिलोदा, राजकुमार साहू पीपरछेड़ी, बाल किशन ठाकुर, मोहलई खेमिन निषाद कोटनी मनोज कुमार साहू बेलौदी मुकुन्द राम पारकर बेलौदी महमरा श्रीमती खेमेश्वरी निषाद चंदखुरी हेमलता देशमुख पीसेगांव गुंलाब बाई कोल्हिापुरी ज्वाला देशमुख भरदा पोषण सिंह ठाकुर कोनारी भारत लाल चन्द्राकर थनौद जागेश्वरी देशमुख बिरेझर इंद्रजीत साहू चंगोरी गोमती निषाद तिरगा घसिया राम देशमुख झोला धीरपाल देशलहरे भोथली सुरेश कुमार साहू निकुम मुक्ति सुधारक खाड़ा खाड़ा हुल्ली बाई साहू आलबरस आशा बाई देशमुख अण्डा उमा बाई चन्द्राकर विनायकपुर ललिता मेहर आमटी घनश्याम सिंह साहू चिंगरी पुष्पा देशमुख अछोटी घनश्याम दिल्लीवार भानपुरी राजूलाल देशमुख, जंजगिरी रेखा अजय चतुर्वेदी कुथरेल राजश्री चन्द्राकर धनोरा मनीष कुमार साहू खम्हरिया सुखीत यादव, हनोदा तेजराम चन्देल कोडिया चन्द्रभान सारथी कोकड़ी परमिला ठाकुर उमरपोटी टिकेन्द्र ठाकुर पुरई मा रिगरी पाउवारा वामन कुमार साहू डुमरडीह चक्षु प्रभा बोरीगारका गुंजेश्वरी बाई साहू करगाडीह घनश्याम गजपाल खोपली मंजु वर्मा, रिसामा गीता महानंद चिरपोटी पोषण लाल साहू मतवारी केशरी साहू कातरो मन्जू यदु मचान्दुर दिलीप कुमार साहू घुघसीडीह गोवर्धन बारले सहित। अन्य जनप्रतिनिधिगण मौजूद थे।

सामाजिक न्याय का मतलब समाज के सभी वर्गो का विकास तथा विकास के संसाधन उपलब्ध कराना- राजेश श्रीवास्तव

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। राजेश श्रीवास्तव जिला न्यायाधीश/ अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण दुर्ग के मार्गदर्शन एवं निर्देश पर व्यवहार न्यायाधीश प्रशांत देवांगन, कुमारी रुचि मिश्रा, कुमारी आकांक्षा सक्सेना, रजत निराला एवं पैरा लीगल वालंटियर द्वारा दुर्ग जिले के विभिन्न स्थानों में विश्व सामाजिक न्याय दिवस के उपलक्ष्य पर विधिक जागरूकता शिविर के माध्यम से बताया गया कि दुनिया में लोगों के बीच कई तरह के भेदभाव पैदा हो रहे हैं, जो कि लोगों के बीच एक दूरी का कारण बन गया हैं ।

इन भेदभाव के कारण कई लोगों को कई तरह की समस्याओं का सामना करना पड़ता है । वहीं दुनिया में इस तरह की बुराइयों को खत्म करने के लिए हर साल विश्व सामाजिक न्याय दिवस, 20 फ़रवरी को मनाया जाता है । इस दिवस को कई उद्देश्यों को प्राप्त करने के मकसद के लिए बनाया गया है । ये दिवस मुख्य तौर से नस्ल, वर्ग, लिंग, धर्म, संस्कृति,भेदभाव, बेरोजगारी से जुड़ी हुई कई समस्याओं को हल करने के उद्देश्य से हर साल मनाया जाता है । वर्ष2022 की थीम औपचारिक रोजगार के माध्यम से सामाजिक न्याय प्राप्त करना है। सर्वप्रथम हमें संविधान की प्रस्तावना में ही सामाजिक न्याय के तत्व दिख जाते हैं, संविधान की प्रस्तावना में नागरिकों के लिये राजनीतिक, आर्थिक व सामाजिक न्याय के साथ स्वतंत्रता के सभी रूप शामिल हैं। प्रस्तावना नागरिकों को आपसी भाईचारा व बंधुत्व के माध्यम से व्यक्ति के सम्मान तथा देश की एकता और अखंडता सुनिश्चित करने का संदेश देती है।

बंधुत्व का उद्देश्य सांप्रदायिकता, क्षेत्रवाद,जातिवाद तथा भाषावाद जैसी बाधाओं को दूर करना है । भारत के सविधान को बनाते समय देश में सामाजिक न्याय का खासा ध्यान रखा गया था । संविधान में कई ऐसा प्रावधान मौजूद हैं, जो कि सामाजिक न्याय को सुनिश्चित करने के लिए बनाए गए हैं । सामाजिक न्याय के लिए लैंगिक समानता, सामाजिक सुरक्षा तथा प्रवासियों के अधिकारों की सुरक्षा की जानी आवश्यक है। सामाजिक न्याय तभी सुनिश्चित हो सकता है जब लोगों को लिंगए आयु, नस्ल, धर्म अथवा संस्कृति के कारण समस्याओं का सामना न करना पड़े। आज भी आम आदमी अपनी कई मूल जरुरतों के लिए न्याय प्रकिया को नहीं जानता जिसके आभाव में कई बार उसके मानवाधिकारों का हनन होता है और उसे अपने अधिकारों से वंचित रहना पड़ता है । आज भारत में गरीबी, महंगाई और आर्थिक असमानता हद से ज्यादा है,भेदभाव भी अपनी सीमा के चरम पर है,ऐसे में सामाजिक न्याय बेहद विचारणीय विषय है ।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950